CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-185
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

जिंदगी एक खूबसूरत सफर है... हर दिन को एक नये अध्याय के रूप में जियें...

मां गौरी

मोदी बोले- हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है कांग्रेस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मुसलमानों की जाति की बात आते ही कांग्रेस के मुंह पर ताला लग जाता है लेकिन हिंदू समाज की बात आते ही वह चचाज़ जाति से ही शुरू करती है क्योंकि वह जानती है कि हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है और भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वह इसी फामूलज़े को लागू करती है। महाराष्ट्र में 7,600 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आधारशिला रखने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि 'समाज को तोड़ने' की इस कोशिश को राज्य की जनता नाकाम करेगी। उन्होंने इस सरकारी कायज़क्रम में महाराष्ट्र के लोगों से देश के विकास को सवोज़परि रखते हुए और एकजुट होकर भाजपा और उसके गठबंधन 'महायुति' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। हरियाणा के चुनाव परिणामों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसने बता दिया है कि आज देश का मिजाज क्या है। उन्होंने कहा ।' कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अबज़न नक्सल का पूरा गिरोह... जनता को गुमराह करने में जुटा था लेकिन उसकी सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। उन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की लेकिन दलित समाज ने उनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीन कर अपने वोट बैंक को बांटना चाहती है।

सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है कांग्रेस- उन्होंने कहा कि हरियाणा के दलित वगज़ ने भाजपा का रिकॉडज़ समथज़न किया तो अन्य पिछड़ा वगज़ (ओबीसी) ने भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि किसानों और नौजवानों को भड़काने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन हरियाणा की जनता ने दिखा दिया कि वह अब कांग्रेस और अबज़न नक्सल के नफरत के षड्यंत्र का शिकार नहीं होने वाली है। प्रधानमंत्री ने कहा कांग्रेस पूरी तरह से सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है। हिंदू समाज को तोड़कर उसे अपनी जीत का फॉमूलज़ बनाना, यही कांग्रेस की राजनीति का आधार है। कांग्रेस भारत के 'सवज़्जन हिताय-सवज़्जन सुखाय' की परंपरा का दमन कर रही है, सनातन परंपरा का दमन कर रही है।

मुसलमानों को डरा रही कांग्रेस- पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल पैदा कर रही है। कांग्रेस लोगों में डर पैदा करती है। कांग्रेस अपने वोट बैंक की खातिर देश का सांप्रदायिककरण कर रही है। कांग्रेस का फॉमूलज़ साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोट बैंक में कन्वटज़ करो और वोट बैंक को मजबूत करो। कांग्रेस, हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉमूलज़े पर चली है। कांग्रेस ने बार-बार ये सिद्ध किया है कि वह एक गैर-जिम्मेदार दल है। वह अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नैरेटिव गढ़ रही है।

कांग्रेस ने कहा- राजनीति के लिए सरकारी मंच का इस्तेमाल- पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस ने कहा कि विपक्ष पर हमला करने के लिए पीएम सरकारी मंच का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट पर लिखा कि राजनीतिक भाषण देने और विपक्ष पर हमला करने के लिए पीएम मोदी को सरकारी कायज़क्रम के मंच का उपयोग नहीं करना चाहिए। टैक्स पेयर के पैसे का इस्तेमाल भोग-विलास के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाना चाहिए। राजनीतिक भाषण के लिए वेभाजपा के मंच का उपयोग कर सकते हैं।

नहीं रहे भारत के रतन

86 की उम्र में लीं अंतिम सांसें..पीएम मोदी ने व्यक्त किया शोक

मुंबई में दर्शन के लिए रखी गई रतन टाटा की पार्थिव देह, राजकीय सम्मान से होगा अंतिम संस्कार

मुंबई। जाने-माने उद्योगपति, समाजसेवी और टाटा ग्रुप के मुखिया रतन टाटा का बुधवार को निधन हो गया। अपने सामाजिक कामों और चैरिटी के लिए मशहूर रतन नवल टाटा ने 86 वर्ष की उम्र में आखिरी सांस ली। रतन टाटा ने अपनी जिंदगी में बहुत सारी बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं और शायद कुछ शब्दों में उन्हें बयां कर पाना शायद नामुमकिन है। वे न केवल एक सफल कारोबारी थे बल्कि एक शानदार लीडर, दानवीर और लाखों लोगों के लिए उम्मीद का प्रतीक भी बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा- श्री रतन टाटा जी एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रतन टाटा के सम्मान में गुरुवार को राज्य में एक दिन का शोक घोषित किया है और इस अवसर पर महाराष्ट्र में सभी सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। रतन टाटा की पार्थिव देह मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रखा जाएगी, जहां लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दे सकते हैं। इसके बाद उनका अंतिम संस्कार वर्ली में किया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह अंतिम संस्कार में शामिल होंगे, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान-भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए लाओस गए हैं।महाराष्ट्र के मंत्री उदय सामंत ने टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को अंतिम श्रद्धांजलि दी। भारत रत्न और वरिष्ठ बीजेपी नेता लालकृष्ण आडवाणी ने शोक संदेश में कहा- रतन टाटा जी के साथ मेरी आखिरी बातचीत इस साल फरवरी में हुई थी, जब मुझे उनसे एक गर्मजोशी भरा पत्र मिला, जिसमें मुझे भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने पर बधाई दी गई थी। उनकी गर्मजोशी, उदारता और दयालुता हमेशा बहुत प्रिय रही है।रतन टाटा के निधन से भारतीय व्यापार जगत में एक युग का अंत हो गया। उन्होंने न केवल टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया, बल्कि अपने सादगी भरे जीवन और उच्च नैतिक मूल्यों के लिए भी प्रसिद्ध थे। हालांकि वे 100 से अधिक देशों में 30 से अधिक कंपनियों का संचालन करते थे, रतन टाटा ने हमेशा एक साधारण और सादगीपूर्ण जीवन जिया। उन्होंने कभी अरबपतियों की सूची में जगह नहीं बनाई, लेकिन उनकी सच्चाई, विनम्रता और ईमानदारी ने उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाया।रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में हुआ था। वे भारत के सबसे प्रतिष्ठित व्यावसायिक परिवारों में से एक से ताल्लुक रखते थे। उनके परदादा जमशेदजी टाटा ने 1868 में एक छोटी ट्रेडिंग कंपनी के रूप में टाटा समूह की नींव रखी थी, जो आगे चलकर स्टील, ऑटोमोबाइल, सॉफ्टवेयर और एयरलाइंस जैसे कई क्षेत्रों में फैल गई।

सीएम मोहन यादव की सुरक्षा में चूक

काफिले के रूट पर नहीं पहुंची पुलिस

भोपाल। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई। सीएम के गुजरने वाले रूट पर पुलिस बल नहीं पहुंचा, जिसकी जानकारी डीसीपी के आदेश के बाद भी नहीं दी गई। जांच में पता चला कि थाने में तैनात हेड कांस्टेबल ने मैसेज सुनने के बाद भी स्टाफ को सूचित नहीं किया। इस लापरवाही पर डीसीपी जोन-3 ने प्रधान आरक्षक की एक साल के लिए वेतन वृद्धि रोक दी गई है। भोपाल के कोहेफिज़ा थाने से मंगलवार रात पुलिस बल को खानू गांव चौराहे पर तैनात किया जाना था, लेकिन प्रधान आरक्षक संदीप बाथम ने इस संबंध में किसी भी पुलिस कमीज़ को सूचित नहीं किया। इस लापरवाही के कारण पुलिस बल समय पर नहीं पहुंच पाया। इस मामले की जांच के बाद डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल ने प्रधान आरक्षक संदीप बाथम की एक साल के लिए वेतन वृद्धि रोकने का आदेश दिया है। यह कारज़्वाई पुलिस विभाग की लापरवाही को गंभीरता से लेने का संकेत देती है। डीसीपी ने आदेश में लिखा कि ड्यूटी के दौरान संदीप बाथम ने निदेशोज़ं की अनदेखी की। आदेश में लिखा कि यह पुलिस रेग्यूलेशन के पैरा क्रमांक-64 (2) 04(4) का स्पष्ट उल्लंघन है। खानु गांव पॉइंट पर कोहेफिज़ा थाने से कोई कमज़्चारी सुरक्षा के लिए नहीं था।

इस वजह से यहां भीड़ थी। ट्रैफिक पुलिस ने आगे आकर यहां सीएम के काफिले के लिए ट्रैफिक क्लियर कराया। इसके बाद सीएम का काफिला रवाना हो सका। बता दें कि तीन महीने पहले 15 जुलाई को इंदौर में भी सीएम की सुरक्षा में चूक हुई थी। 11 लाख पौधे लगाने के गिनीज बुक ऑफ वल्डज़ रिकॉडज़ का सटिज़्फिकेट लेने रेवती रेंज दोबारा पहुंचे सीएम का काफिला सुपर कॉरिडोर पर डायवजज़्न की वजह से भटक गया था। काफिला डेढ़ किमी तक ऐसे रूट पर चला गया था, जो बंद था। पुलिस अफसरों में हड़कंप मचा और आनन-फानन काफिले को वापस पलटाया, तब सीएम एयरपोटज़ पहुंच पाए।

आरबीआई का फैसला- होम लोन की ईएमआई में नहीं होगा कोई बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय रिजवज़ बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट को एमपीसी 51वीं बैठक में चचाज़ के बाद इसे 6.5ब्र पर बरकरार रखा गया। आरबीआई गवनज़र शक्तिकांत दास ने बुधवार को तीन दिनों तक चली एमसीसी की बैठक के बाद यह ऐलान किया। रुख को न्यूट्रल रखने पर एमपीसी के सभी सदस्यों ने सहमति दिखाई। आरबीआई एमपीसी के फैसले से यह बात साफहै कि फिलहाल आम लोगों के होम लोन की ईएमआई में कोई बदलाव नहीं होने वाला। केंद्रीय बैंक के गवनज़र के अनुसार आरबीआई ने चालू वित्त वषज़ के लिए विकास अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर अपरिवतिज़्त रखा। आरबीआई गवनज़र शक्तिकांत दास ने कहा कि लचीले मौद्रिक नीति ढांचे ने 8 साल पूरे कर लिए हैं, यह एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार है। आरबीआई गवनज़र ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति के रुख को बदलकर 'तटस्थ' कर दिया। उन्होंने कहा कि आरबीआई ने लगातार 10वीं बार बेंचमाकज़ ब्याज दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवतिज़्त रखा है।

बम की धमकी के बाद भी साढ़े तीन घंटे तक उड़ती रही लंदन-दिल्ली फ्लाइट

नई दिल्ली। लंदन से दिल्ली के लिए उड़ी विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट यूके18 में बुधवार को बम की सूचना से हड़कंप मच गया। फ्लाइट के दिल्ली पहुंचने से करीब साढ़े 3 घंटे पहले एक यात्री ने प्लेन के टॉयलेट में धमकी भरा टिश्यू पेपर देखा। उसने क्रू मेंबर को सूचना दी। फ्लाइट को दिल्ली में लैंड कराकर आइसोलेशन-बे में ले जाया गया, जहां सभी पैसेंजर के सामान की जांच की गई। हालांकि बम जैसी कोई चीज नहीं मिली। इस मामले में अहम पेंच यह भी है कि बम की सूचना वाला टिश्यू पेपर मिलने के बावजूद साढ़े 3 घंटे तक प्लेन हवा में उड़ता रहा। पुलिस ने क्रू मेंबसज़ से सवाल किया कि बम की सूचना के बावजूद प्लेन को दिल्ली तक क्यों लाया गया। किसी नजदीकी देश में ही लैंडिंग की इजाजत मांगी जा सकती थी। पुलिस के सवाल पर पायलट और क्रू मेंबसज़ ने कहा कि रास्ते में फ्लाइट लैंड करवाने पर प्लेन के हाइजैक होने का खतरा था।

सदी के सबसे बड़े तूफान 'मिल्टन' के आने से पहले, भागे 11 लाख लोग

फ्लोरिडा। अमेरिका में मिल्टन तूफान तबाही लेकर आ रहा है। कई शहरों में दशहत फैली हुई है। 11 लाख से ज्यादा लोग शहर छोड़कर भाग गए हैं। यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के अनुसार मिल्टन तूफान अभी 400 किलोमीटर दूर है। यह कभी भी फ्लोरिडा के तट से टकरा सकता है। इसे सदी का सबसे बड़ा तूफान बताया जा रहा है, क्योंकि इसकी रफ्तार 270 किलोमीटर से ज्यादा है। प्रशासन ने इसे कैटेगरी-5 में रखा है, जिसे अत्यंत खतरनाक माना जाता है। इसे कई घरों के उड़ने, कई शहरों की बिजली सप्लाई बाधति होने का खतरा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने लोगों से तुरंत शहर को खाली करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मिल्टन तूफान तेजी से आ रहा है। आप प्लीज अधिकारियों के निदेज़्श का पालन करें। यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर के मुताबिक, इसके टेम्बा के तट से टकराने की आशंका है, जहां की आबादी करीब तीस लाख है।

दुनियाभर में खराब वायु गुणवत्ता की वजह से बिगड़ रहे इंसान के स्वास्थ्य के बीच एक नई खोज

वैज्ञानिकों ने तैयार किया असली ऑक्सीजन देने वाला नकली पौधा

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने खराब वायु गुणवत्ता को दुनियाभर में सावज़्जनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा पयाज़्वरणीय खतरा बताया है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के प्रयोग समेत अन्य कारणों से बाहर की तुलना में भवनों के अंदर की हवा अधिक खराब होती जा रही है। शहरों में लोगों का अधिकांश समय भी चहारदीवारी में ही बीत रहा है। जितना समय वे बाहर रहते भी हैं, उसमें हर वक्त स्वच्छ हवा नहीं मिलती है। अभी बंद परिसर में स्वच्छ हवा के लिए अलग-अलग एयर प्यूरीफायर का प्रयोग हो रहा है, लेकिन अमेरिका के बिंगहेमटन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने इससे आगे बढ़कर हवा को स्वच्छ बनाने के लिए एक खास कृत्रिम पौधा तैयार किया है, जो काबज़्न डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ऑक्सीजन का उत्सजज़्न करेगा। लेजर कटिंग तकनीक का उपयोग कर 1.6 मिलीमीटर मोटी मिथाइल मेथैक्रिलेट से तैयार इस पौधे में पांच पत्तियां लगी हुई हैं। प्रत्येक पत्ती साइनोबैक्टीरिया-संक्रमित एनोड, एक आयन एक्सचेंज झिल्ली और एक कैथोड से बने पांच बायो सोलर सेल से जुड़ी हुई है। इन सेल को सक्रिय रखने और वाष्पोत्सजज़्न की क्रिया के लिए पौधे में हाइग्रोस्कोपिक लगाया गया है। इससे सजीव पौधों की तरह इसकी पत्तियों में भी पानी और पोषक तत्व पहुंचते रहते हैं। साइनोबैक्टीरिया पानी के साथ घर के अंदर के प्रकाश और काबज़्न डाइऑक्साइड का उपयोग भी प्रकाश संश्लेषण में करता है।

इस तरह मिलेगी ऑक्सीजन- प्रकाश संश्लेषण के दौरान इलेक्ट्रॉन्स के साथ उत्पादित प्रोटॉन को आयन एक्सचेंज झिल्ली के माध्यम से कैथोड में ले जाया जाता है। वे कैथोडिक प्रतिक्रिया को पूरा करने के लिए वायुमंडलीय आक्सीजन के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। यह महत्वपूणज़ प्रक्रिया प्रणाली की इलेक्ट्रोन्यूट्रलिटी को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

हवा के साथ बिजली का भी उत्पादन- यह कृत्रिम पौधा हवा के साथ बिजली का भी उत्पादन करेगा, जो इसकी उपयोगिता को अधिक बेहतर बनाता है। यह लगभग 140 माइक्रोवाट बिजली का उत्पादन करेगा। वैज्ञानिक इससे न्यूनतम एक मिलीवाट से अधिक बिजली उत्पादन के लिए तकनीकी उन्नयन पर काम कर रहे हैं। एक बायो सोलर सेल 25 वोल्ट का ओपन सकिज़्ट वोल्टेज और 9 माइक्रोवाट वगज़ सेंटीमीटर का अधिकतम ऊजाज़ घनत्व प्राप्त करता है। प्रत्येक पत्ते के भीतर श्रृंखला में पांच वायो सोलर से जोड़कर 46 माइक्रोवाट तक बिजली का उत्पादन किया जा सकता है।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message :
9755996590

सिंगल कॉलम

14 अक्टूबर को इंदौर को चार ब्रिज की सौगात देंगे सीएम डॉ. मोहन यादव

इंदौर। 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव शहर को चार ब्रिज की सौगात देंगे। बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर आशीष सिंह ने निरीक्षण किया। लवकुश चौराहा ब्रिज से निरीक्षण की शुरुआत की। फूटी कोठी ब्रिज पर लोकार्पण समारोह होगा। भंवरकुआं और फूटी कोठी ब्रिज का लोकार्पण होगा। खजराना और लवकुश चौराहा ब्रिज की एक-एक भुजा को शुरू किया जाएगा। ब्रिज शुरू होने से शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। अभी खजराना चौराहे पर वाहन चालकों को सिग्नल पर रुकना पड़ता है। ब्रिज शुरू होने के बाद सीधे जाने वाले वाहन चालक बिना रुके जा सकेंगे। अन्य जगह भी वाहन चालकों को ये फायदा होगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि 14 अक्टूबर को शहर को चारों ब्रिज की सौगात समर्पित होगी। ट्रैफिक की समस्या को खत्म करने के लिए तय समय में ब्रिज बनाकर तैयार करना ये बड़ी उपलब्धि है।

इंदौर पुलिस ने थाना परिसर में 2500 कन्याओं को कराया भोज

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया थाने में ढाई हजार बच्चियों को कन्या भोज कराया गया। एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह ने कन्याओं की पूजा की। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने भोजन परोसा। इसके बाद सृजन कार्यक्रम के तहत बच्चियों को थाना परिसर दिखाया और पुलिस के कार्यों की जानकारी दी। एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह ने बताया- कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चियों को पुलिस के साथ जोड़ना है, जिससे वे न केवल पुलिस की कार्यप्रणाली समझें, बल्कि समाज में पुलिस की भूमिका के प्रति उनके मन में सकारात्मक सोच विकसित हो। आयोजन में पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्य भी शामिल हुए। थाना प्रभारी तारेश सोनी ने बताया कि हमारा उद्देश्य बच्चियों को सशक्त बनाकर उनमें आत्मविश्वास जगाना है। इससे पहले इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार शाम को गरबा आयोजन के दौरान बेटी बचाओ अभियान के तहत कन्या पूजन किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत चढ्?ढा ने कहा - प्रदेश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को उजागर करने के लिए कांग्रेस ने बेटी बचाओ अभियान प्रारंभ किया है। इसी कड़ी में इंदौर में भी कन्या पूजन किया है।

बजरिया मटन मार्केट में 14 दुकानें सील, बकाया राशि पर निगम ने की कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में दुकानों की बकाया राशि पर नगर निगम के द्वारा उन्हें सील किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार निगम दुकानों का किराया बकाया होने पर किराया वसूली के लिए निगम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । उपायुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि उसी क्रम में मार्केट विभाग की दुकानों का किराया वर्षों से जमा नहीं करने एवं सूचित किये जाने के बाद भी किराया जमा नहीं कराने पर बजरिया मटन मार्केट स्थित कई दुकानों पर कार्यवाही की गई है। जिन दुकानों पर कार्रवाई हुई है वे हैं- मोहम्मद यूनुस बकाया रुपए 43386, मोहम्मद आरिफ बकाया रुपए 21462, सुल्तान नबी राशि 21031, मोहम्मद नवाब राशि 22454, मोहम्मद रमजान राशि 11048, मोहम्मद उमर राशि 34276, मोहम्मद सागीर राशि 33613, मोहम्मद रफीक राशि 32851, मोहम्मद सादिक राशि 27468, मोहम्मद अफजल राशि 53666, मोहम्मद सलीम राशि 60888, बफाती ओला खान राशि 46503, मोहम्मद इस्माइल राशि 75551, अब्दुल रजाक बकाया राशि 63357 की दुकान सील की गई है। आयुक्त वर्मा के निर्देशानुसार निगम मार्केट की दुकानों का किराया बकाया होने पर निगम द्वारा कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

हफ्तेभर से पड़ी गर्मी के बाद हुई बारिश, उमस से मिली राहत

इंदौर। इंदौर में एक सप्ताह से पड़ रही भीषण गर्मी से बुधवार को राहत मिली। बुधवार दोपहर से शहर के कई हिस्सों में रिमझिम बारिश हुई, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। यह अक्टूबर में इस साल की पहली बारिश है, जबकि पिछले साल अक्टूबर में बारिश नहीं हुई थी। इससे पहले 9 साल हर बार अक्टूबर में बारिश हुई थी। दस साल में अक्टूबर में सबसे ज्यादा बारिश 2021 में 2 इंच रिकॉर्ड की गई थी और 2022 में भी लगभग 2 इंच बारिश हुई थी। इस बार अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में बारिश शुरू हुई है। सोमवार को दिन का तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जबकि मंगलवार को दिन का तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अभी रात में तापमान औसत से 4 डिग्री ज्यादा है, जिससे बीती रात को गर्मी का अहसास ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, इंदौर में अभी मौसम साफ रहने के आसार हैं।

इंदौर प्रदेश का पहला जिला, यहां हर वार्ड में बनेगा महिला सुरक्षा केंद्र

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के वार्डों में महिला सुरक्षा के लिए जागरूकता केंद्र बनाए जाएंगे। पहले चरण में नगर निगम के सामुदायिक भवनों का उपयोग किया जाएगा, फिर आंगनबाड़ी और अन्य परिसरों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इन केंद्रों पर पुलिस और महिला बाल विकास विभाग की टीम संयुक्त रूप से काम करेगी। यह टीमें महिला अपराध कम करने, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने का करेगी। इसके साथ शिक्षा, कौशल विकास और जागरूकता के लिए भी अलग अलग प्रकल्प चलेंगे। संभागायुक्त दीपक सिंह ने बुधवार को पुलिस विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठक में इस विषय पर बेहतर योजना बनाने पर चर्चा की। बैठक में एडीशनल पुलिस कमिश्नर मनोज श्रीवास्तव, डीसीपी हेडक्वॉर्टर जगदीश डाबर, महिला सुरक्षा शाखा की एडिशनल एसपी प्रियंका डोडवे, महिला बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक संध्या व्यास सहित अन्य अधिकारीगण एवं इस क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मोबाइल-एप भी बनाने का सुझाव दिया

संभागायुक्त ने बैठक में कहा कि बालिका अपराध संबंधी रियल टाइम रिपोर्टिंग और अलर्ट के लिए मोबाइल-एप भी बनाया जाना चाहिए। बालिका

सुरक्षा के लिए प्रमुख रूप से पुलिस के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग समग्रता और समन्वय के कार्य करें। बालिकाओं में निडरता और जागरूकता के प्रसार के लिए अधिक समेकित प्रयास करें।

डोर टू डोर सर्वे किया गया

बैठक में मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग के तहत अपराध नियंत्रण का सृजन कार्यक्रम इंदौर पुलिस द्वारा दिसंबर 2023 से संचालित है। इसके अंतर्गत शहर की चिन्हित बस्तियों का डोर-टू-डोर सर्वे कर 12 वर्ष से 18 वर्ष आयु की बालिकाओं का समूह बनाया गया है। इनके साथ पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग अन्य शासकीय विभाग एवं स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर बालिकाओं से संवाद स्थापित करते हैं। कार्यशाला एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं में सुरक्षा की भावना एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य किया जाता है। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि पुलिस के इस प्रयास में अब महिला एवं बाल विकास विभाग अपना इंफ्रास्ट्रक्चर का सहयोग भी देगा। बालिकाओं के प्रशिक्षण इत्यादि के लिए पुस्तिकाएं और अन्य तरह की सामग्री भी तैयार की जाएगी।

पुलिस से सीधा संपर्क स्थापित किया जा रहा

बैठक में नोडल अधिकारी प्रियंका ने बताया कि सृजन कार्यक्रम के तहत 12 से 18 वर्ष की बालिकाओं को सुरक्षा देने के लिए, अपराधों के प्रति जागरूक करने एवं अपराधों को रोकने के लिए कार्य किया जा रहा है। बालिकाओं का पुलिस से सीधा संपर्क स्थापित करना हमारा उद्देश्य है ताकि मुसीबत के वक्त सीधा पुलिस से संपर्क हो सके। सृजन की एक कोर टीम गठित की गई है, जिसमें पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा प्रियंका डोडवे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। महिला आरक्षकों को चिह्नित कर उन्हें पुलिस दीदी के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इंदौर के समस्त थानों में ऊर्जा डेस्क संचालिका एवं बाल कल्याण अधिकारी को भी कोर टीम का सदस्य बनाया गया है।

खतरनाक क्षेत्रों की पहचान की जा रही

डीसीपी पुलिस मुख्यालय जगदीश डाबर ने बैठक में बताया कि ऐसे क्षेत्र जहा पर बालिकाओं के प्रति ज्यादा अपराध होते हैं उन्हें चिह्नित किया गया है। ऐसे हाट-स्पॉट एरिया वाले थाना क्षेत्रों में सृजन बालिका समूह बनाए गए हैं। 12 से 18 वर्ष की बालिकाओं का डोर-टू-डोर सर्वे कर उनका डेटा एकत्रित किया गया है। ताकि समस्याओं को भी चिह्नित किया जा सके। बैठक में तय किया गया कि आने वाले समय में चंदन नगर एवं आजाद नगर जैसे क्षेत्रों में भी डोर-टू-डोर सर्व किया जाए। विद्यालयों को सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित बनाने के लिए एसओपी एवं गाइड लाइन तैयार की जाए।

क्लाइमेंट मिशनः स्वच्छता में लगातार सातवीं बार नंबर वन रहने वाले नगर निगम अब एक नया प्रयोग

इंदौर में बिना प्रेस किए कपड़े पहनने को बनाया जाएगा फैशन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। स्वच्छता में लगातार सातवीं बार नंबर वन रहने वाले इंदौर नगर निगम अब एक संस्था के साथ इंदौर क्लाइमेंट मिशन चलाएगा। इसके लिए बुधवार को मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने करार पर हस्ताक्षर किए। इस मिशन के तहत इंदौर के पांच लाख लोगों को उर्जा साक्षर किया जाएगा। 100 दिन तक इंदौर में चलने वाले इस अभियान से स्कूल, कॉलेज, रहवासी संघ, कंपनियों को जोड़ा जाएगा। उद्देश्य यह है कि लोग अपनी दैनिक आदतों में बदलाव कर ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दें। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर रहे आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने कहा कि हम 'रीकल्स अच्छे हैं'अभियान चलाएंगे,ताकि लोग बिना आयरन किए कपड़े पहन कर खुद को गौरन्वित समझे। कई बड़े संस्थान इस अभियान से जुड़कर कार्बन ऑक्साइड का उत्सर्जन कम करेंगे।

एक जोड़ी कपड़े प्रेस करने से यह होता है

आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने कहा कि एक जोड़ी कपड़े प्रेस करने पर 200 ग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन होता है। सोलंकी ने कहा कि इंदौर में एक दिसंबर से दस मार्च तक अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान एनर्जी स्वराज यात्रा शहर के अलग- अलग हिस्सों में जाएगी। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर के लोग जनभागीदारी में आगे हैं। क्लाइमेंट मिशन को भी वे आत्मसात कर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयास करेंगे। नगर निगम भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए लगातार अभियान भी चलाए जा रहे है।

बिजली की खपत दस प्रतिशत तक कम करेंगे

मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि हम कचरे की कमी, जल संरक्षण और स्थाई व्यवहार में परिवर्तन कर शहर में बिजली की खपत दस प्रतिशत तक कम करेंगे। उन्होंने कहा कि इंदौर में इलेक्ट्रीक वाहनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जगह-जगह नगर निगम ने चार्जिंग स्टेशन बनाए है। डीजल से संचालित होने वाली बसें व कचरा वाहन धीरे-धीरे बंद किए जा रहे हैं।

मिशन का मुख्य उद्देश्य शहर की बिजली

खपत में 7-10त्न की कमी लाना और 3 से 5 लाख लोगों को ऊर्जा साक्षर बनाना है। इसमें शैक्षिक संस्थान, व्यवसाय, सरकारी संस्थान और नागरिकों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही, लोगों को ऊर्जा और संसाधनों के सही उपयोग के बारे में जानकारी दी जाएगी और सस्टेनेबल आदतों को विकसित किया जाएगा।

दुनियाभर के शहरों के लिए मिसाल बनेगा यह प्रयास

इस मिशन का पहला चरण मार्च 2025 तक चलेगा, जिसके बाद इसका दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर का यह प्रयास न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर के शहरों के लिए एक मिसाल बनेगा, जहां जलवायु परिवर्तन के खिलाफ सशक्त कदम उठाए जाएंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण तैयार किया जाएगा।

समझें इस अभियान के पीछे की कहानी-

दिल्ली में काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सीएसआईआर) के वैज्ञानिकों ने यह पहल बहुत पहले से शुरू की है। इसका नाम है 'डब्लूएएच मंडे अभियान' या 'रिंगकल अच्छे हैं'। इसके तहत सीएसआईआर में काम करने वाले लोगों को सोमवार को बिना प्रेस किए हुए कपड़े पहनकर आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दरअसल वो इस तरह से जलवायु परिवर्तनको नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को बिना प्रेस किए हुए कपड़े पहनकर आना दरअसल जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक सांकेतिक लड़ाई है। डॉक्टर एन कलैसेल्वी सीएसआईआर की पहली महिला महानिदेशक हैं। उन्होंने इस अभियान के बारे में बताया है कि डब्लूएएच मंडे उर्जा साक्षरता के बड़े अभियान का एक हिस्सा है। दरअसल दुनियाभर में कार्बन उत्सर्जन पर नजर रखने वाली संस्था कार्बन ब्रीफिंग के मुताबिक साल 2023 में कोयला, पेट्रोलियम पदार्थ और नेचुरल गैस जैसे फॉसिल फ्यूल या जीवाश्म ईंधन से 36.8 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन हुआष। यह 2022 की तुलना में 1.1 फीसदी अधिक था। घर के कामकाज, कल-कारखानों और यातायात के साधनों को चलाने के लिए तेल,गैस बिजली और कोयले का इस्तेमाल होता है।

इसका जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जब हम फॉसिल फ्यूल को जलाते हैं तो उससे ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। इनमें कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा सबसे अधिक होती है। ग्रीन हाउस गैसों की सघन मौजूदगी की वजह से सूर्य का ताप धरती से बाहर नहीं जा पाता है। इससे धरती का तापमान बढ़ता है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक 19वीं सदी की तुलना में धरती का तापमान लगभग 1.2 सेल्सियस बढ़ चुका है।

इंदौर से दिल्ली के लिए नई उड़ान वाराणसी की उड़ान होगी बंद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर से दिल्ली-मुंबई, बेंगलुरु जैसे शहरों की उड़ानों को तो यात्रियों की अच्छी संख्या मिल रही है, लेकिन दूसरे शहरों की उड़ानों को ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिल पा रहा है। इस कारण अक्टूबर माह में इंदौर-वाराणसी उड़ान बंद की जा रही है। उधर एयर इंडिया इंदौर से दिल्ली के लिए 27 अक्टूबर से एक और नई उड़ान शुरू करने जा रहा है। इंदौर से 26 अक्टूबर को इंडिगो का विमान वाराणसी के लिए आखरी उड़ान भरेगा। पर्याप्त यात्री नहीं मिल पाने की वहजह से कंपनी ने यह उड़ान बंद की है। इंदौर से प्रतिदिन सुबह आठ बजे वाराणसी के लिए फ्लाइट जाती थी। अब यात्रियों के पास दिल्ली होते हुए वाराणसी के लिए जाने का विकल्प रहेगा। वाराणसी के लिए जाने वाली अंतिम उड़ान का कोरोना काल के पहले इंदौर से प्रतिदिन 100 से ज्यादा उड़ानें आती-जाती थी, लेकिन अब लगातार उड़ानें कम हुई है। इंदौर से अब तक बेलागावी, राजकोट, किशनगढ़, प्रयागराज,गोदिया की सीधी उड़ान बंद हो चुकी है। विंटर शेड्यूल में इंदौर को नई उड़ान मिल सकती है।

एयर इंडिया की इंदौर-नई दिल्ली उड़ान सुबह 7.45 बजे उड़ान भरेगी और सुबह 9.15 बजे दिल्ली पहुंचेगी। दिल्ली से यह उड़ान पौने दो बजे इंदौर के लिए उड़ेगी और 3.20 बजे इंदौर पहुंचेगी। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन के हमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि दिल्ली की उड़ानों को इंदौर से बेहतर प्रतिसाद मिलता है। नई उड़ान को भी सुबह पर्याप्त यात्री मिलेंगे। इसका किराया भी 4 हजार तक होगा।

हीरा कारोबारी ढोलकिया बोले, देश में सिर्फ तीन प्रतिशत लोगों के पास है हीरे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देश के सूरत का बड़े हीरा कारोबारी समूह हमेशा अपने कर्मचारियों को फ्लैट, कार, एफडी के तोहफे देकर हमेशा चर्चा में रहता है। इस समूह के घनश्याम ढोलकिया बुधवार को इंदौर आए। उन्होंने मीडिया से भी चर्चा की। ढोलकिया ने कहा कि उनके पिता ने सिखाया है कि विश्वास और मेहनत से ही व्यापार की सफलता का मूलमंत्र है। इसे लगातार बरकरार खना पड़ता है। उन्होंने देश के हीरा मार्केट को लेकर कहा कि इंडिया में इस मार्केट में ग्रोथ है, जबकि चायना और अमेरिका में हीरा उद्योग मंदा पड़ा है। हमारे देश के सिर्फ 3 प्रतिशत लोग ही आभूषणों में हीरे का उपयोग करते है। 97 प्रतिशत लोगों के पास लोगों को हम जोड़ना चाहते है। ढोलकिया ने कहा कि अभी देश में 10 से 15 प्रतिशत महिलाएं नौकरी पेशा या उद्यमी है। जब यह आंकड़ा 60 से 70 प्रतिशत तक हो जाएगा तो देश में हीरे की तंगी हो जाएगी,क्योकि महिलाएं हीरे को बहुत पसंद करती है। तब देश में डायमंड की डिमांड इतनी बढ़ेगी कि देश में तैयार होने वाले हीरों की खपत देश में हो जाएगी। उन्होंने कहा कि देश में हीरे की खदानें कम है। खदानें मिलने में सात-आठ साल लग जाते है। यदि विश्व में दस डायमंड निकलता है तो उसमें से 9 की मैन्यूफेक्चरिंग हमारे देश में होती है। 90 प्रतिशत हीरा गुजरात में बनता है,क्योकि वहां दक्ष कर्मचारी है। इस उद्योग अच्छा रोजगार भी दे रहा है। अब नए लोग भी इस इंडस्ट्री में आ रहे है। सालभर का प्रशिक्षण लेकर कोई भी इस काम में दक्ष हो सकता है।

बुजुर्गों को थाने और कोर्ट जाने से रोका, 5 हजार परिवार टूटने से बचाए

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। बुजुर्गों को परिवारों में कई तरह की परेशानियां आती हैं और अधिक उम्र की वजह से कई बार वे कोर्ट और थाने तक जा भी नहीं पाते। ऐसी स्थिति में वे या तो परेशानियों को झेलते रहते हैं या फिर परेशान होकर कोई गलत कदम उठा लेते हैं। इस परेशानी को समझते हुए पुलिस विभाग ने इंदौर में एक ऐसी पहल की जो पूरे देश के लिए मिसाल बनती जा रही है। इसका नाम है सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत। समिति के मुख्य सदस्य आरडी यादव, पुरुषोत्तम यादव, रमेश शर्मा, सन्नी मोदी और संजय शर्मा हैं। सदस्यों ने बताया कि यदि किसी बुजुर्ग को बहू, बेटों या परिवार

के अन्य सदस्यों से कोई परेशानी है या फिर उनके बच्चे विदेशों में रहते हैं और वे इंदौर में अकेले रहते हैं तो ऐसे में उन्हें कई बार पुलिस की सुरक्षा की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग होने के नाते वे थाने पर जा नहीं पाते या बचते हैं। इन मामलों के लिए इंदौर में यह समिति गठित की गई है। सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत में कोई भी बुजुर्ग रीगल पर स्थित पुलिस मुख्यालय में जाकर अपनी परेशानी का आवेदन दे सकता है। यहां पर आवेदन लेने के बाद शहर के वरिष्ठ नागरिकों की एक टीम और पुलिस अधिकारी पीड़ित बुजुर्ग और अन्य परिजन की काउंसलिंग करती है। काउंसलिंग के माध्यम से वह परिवार की परेशानियों को सुलझाने का प्रयास करती है और मामलों को कोर्ट में जाने से रोकती है।

30 हजार बुजुर्गों ने बनवाया है समिति का कार्ड

30 हजार बुजुर्गों ने सीनियर सिटिजन पुलिस पंचायत का कार्ड बनवाया है। इस कार्ड की मदद से बुजुर्गों को अस्पतालों में विशेष सुविधाएं मिलती है। इसमें सस्ती दवाएं, टेस्ट और इलाज शामिल है।

देश के हर जिले में समिति बनाने की मांग

समिति के सदस्यों ने कहा कि देश के हर जिले में इस तरह की समिति होने चाहिए। इससे लाखों मामले कोर्ट और थाने पहुंचने से रुक जाएंगे। समिति के सदस्यों ने कहा कि मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव को सबसे पहले मप्र के जिलों में इसे शुरू करना चाहिए फिर केंद्र सरकार को हर जिले में इस तरह की समिति को गठित करने पर विचार करना चाहिए। इससे परिवार टूटने से बचेंगे, उनका समय और पैसा बचेगा और सरकार, कोर्ट और पुलिस विभाग का भी समय और पैसा बचेगा।

ड्रग्स मामले में यूथ कांग्रेस ने राजधानी की सड़क पर लगाया 'नशे का ठेला'

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक फैक्ट्री में गुजरात एटीएस और एनसीबी ने 1814 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स पकड़ी थी। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी मध्य प्रदेश सरकार को लगातार घेरने की कोशिश कर रही है। दरअसल एक आरोपी की तस्वीरें डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के साथ सामने आने के बाद कांग्रेस नेता लगातार देवड़ा पर हमलावर हो रहे हैं। और सरकार से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं। बुधवार को राजधानी के रोशनपुरा चौराहे पर एमपी यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने सांकेतिक रूप से भाजपा सरकार की चलती-फिरती नशे की दुकान का प्रदर्शन किया। साथ ही एक पुतले पर डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा की फोटो लगाकर गले में इंजेक्शन की माला पहनाकर प्रदर्शन किया।

शासन-प्रशासन को खबर तक नहीं थी

इस दौरान कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि भोपाल में इतनी बड़ी ड्रग्स की फैक्ट्री संचालित हो रही थी और शासन-प्रशासन को खबर तक नहीं थी। गुजरात की पुलिस आकर कार्रवाई करती है। मप्र की भाजपा सरकार और पुलिस क्या कर रही है। ये स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है कि डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के चहेते कार्यकर्ता इस बिजनेस में लिप्त हैं। उनके संरक्षण में ये पूरा व्यापार मप्र में फल-फूल रहा था। हम मांग हैं कि जगदीश देवड़ा नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा दें।

क्योंकि, अगर वो उप मुख्यमंत्री बने रहे तो वे अपने चहेते लोगों को बचाने के लिए जांच प्रभावित कर सकते हैं।

प्रदर्शन कर रहे जिला युवा कांग्रेस भोपाल ग्रामीण के पूर्व अध्यक्ष रोहित राजोरिया ने कहा कि अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो मुख्यमंत्री मोहन यादव को युवाओं के सामने यह स्पष्ट करना पडेगा कि वो ड्रग्स माफियाओं के साथ हैं या मप्र के युवाओं के साथ हैं। उन्हें तत्काल जगदीश देवड़ा को तत्काल पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। जब तक जांच चल रही है उसकी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए देवड़ा जी का पद पर बने रहना सही नहीं हैं।

बीजेपी के कई कार्यकर्ता नशा के धंधे में लिप्त

कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि मप्र के युवाओं को ड्रग्स के दलदल में धकेलना भाजपा सरकार बंद करे। भाजपा के कई कार्यकर्ता पहले भी नशे के कारोबार में लिप्त पाए गए हैं। भोपाल के गली-गली, मोहल्ले में शराब, ड्रग्स और तरह-तरह का नशा बिक रहा है। इस पर ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है।

डिप्टी सीएम के सफाई पर पलटवार

डिप्टी सीएम ने कहा है कि फोटो किसी की किसी के साथ भी हो सकती है। उनका अपराधियों से कोई संबंध नहीं हैं। इस बयान पर कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि एक तस्वीर होती तो किसी के भी साथ आ सकती है। लेकिन ऐसी कई तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें वो आपके साथ बैठकर भोजन कर रहे हैं गले लग रहे हैं। ऐसे कार्यकर्ता को बचाने के लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं। मप्र में इस पूरी जांच को देवड़ा जी प्रभावित कर सकते हैं इसलिए मुख्यमंत्री को उन्हें पद से हटा देना चाहिए।

सीएम मोहन यादव ने श्योपुर को दी 57 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की सौगात

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल/श्योपुर। सीएम डॉ. मोहन यादव बुधवार को श्योपुर पहुंचे थे। उन्होंने वीरपुर कृषि उपज मंडी परिसर में संयुक्त वन प्रबंधन समितियों का प्रशिक्षण और जागरूकता सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने यहां 57 करोड़ 42 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमिपूजन किया। सीएम ने कहा कि सभी बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने की जिम्मेदारी सरकार की है। क्षेत्र में उद्योग लाने और उसके माध्यम से रोजगार बढ़ाने के लिए दूसरे राज्यों के साथ मध्य प्रदेश में उद्योगपतियों के साथ इन्वेस्टर समिट किया जा रहा है। रोजगार के सभी क्षेत्रों में प्रयास करने के साथ ग्रामीण स्तर पर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए गांव के लोगों को अनुदान दिया जाएगा। 10 गाय से ज्यादा रखने वालों को अनुदान देकर प्रोत्साहन दिया जाएगा। गेहूं और सोयाबीन की तरह दूध के उत्पादन के ऊपर भी बोनस दिया जाएगा।

कई योजनाओं का भूमिपूजन किया

सीएम ने कहा कि वीरपुर में नंदी गांव से गवघाट तक चंबल नदी पेंटुल पुल बनाया जाएगा। तहसील वीरपुर में श्रेत्र पाचो से गवघाट तक 6 करोड़ की लागत से 4 किमी की सड़क बनाई

जाएगी। बड़ा गांव से तेलीपुरा तक 1800 लाख की लागत से डबल सड़क बनाई जाएगी। गांव पोलाहित से सुमरेला तक 3 किमी की 500 लाख की लागत से सीसी रोड, वीरपुर से धोरेक तक मिट्टी मुरम की रोड, शासकीय हाई स्कूल आरोदरी में नवीन भवन बनाया जाएगा। वीरपुर में कॉलेज खोला जाएगा। हीरापुर से गुदारिया तक मिट्टी पुरम रोड, अरनोद से दांगी बाबा तक निर्माण कार्य। वीरपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन किया जाएगा।

बच्चों को स्कूल बैग भी दिया

बता दें कि सीएम मोहन यादव ने कन्या पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए 80 लाख रुपये की लागत से वन समिति के सदस्यों के 13 हजार 700 बच्चों को स्कूल बैग भी दिया।

यति नरसिम्हानंद के खिलाफ विधायक मसूद ने दायर की याचिका

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के विधायक आरिफ मसूद ने जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिम्हा नंद सरस्वती के खिलाफ ने भोपाल जिला न्यायालय में याचिका दायर की है। मसूद ने याचिका में कहा कि यति नरसिम्हानंद ने अपने बयान से इस्लाम धर्म का अपमान किया है, साथ ही उनकी धार्मिक भावना आहत हुई है। विधायक मसूद ने भोपाल में पत्रकारवार्ता में बताया कि न्यायालय से यति नरसिम्हानंद सरस्वती पर कठोर कार्रवाई का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया कि यति नरसिम्हा नंद सरस्वती का गत माह 29 सितंबर को एक वीडियो देखने को मिला था, जिसमें उन्होंने इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगम्बर हजरत मोहम्मद के खिलाफ अनर्गल बयान दिया है। मसूद की ओर से पैरवी एडवोकेट दीपक बुंदेले करेंगे। सुनवाई के लिए 21 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि लगातार हमारे पैगंबर की शान में गुस्ताखी करने वाले लोगों की एक के बाद एक कड़ी बनती जा रही है। यह इंसानियत और संविधान पसंद लोगों के लिए अच्छी खबर नहीं है, न ही हमारे देश की परंपरा है। कोई भी किसी भी धर्म पर न तो क्रिटिसिज्म चाहता है, न ही सुनना चाहता है।

चार दिन पहले पुलिस कमिश्नर से की थी शिकायत

आरिफ मसूद ने बताया कि 4 दिन पहले भोपाल पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देकर कहा था कि केस होना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि अभी एफआईआर नहीं कर सकते, जांच कराएंगे। अब हमने भोपाल कोर्ट में याचिका लगाई है। यहां मुकदमा दर्ज होगा, तो देश में एक पैगाम भी जाएगा कि नफरत फैलाने वालों के खिलाफ संविधान कड़ी कार्रवाई करेगा। चाहे वह कोई बड़ा व्यक्ति हो या छोटा, उसे छोड़ा नहीं जाएगा। गौरतलब है कि यति नरसिंहानंद गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के डासना में स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर के महंत भी हैं। उन्होंने गाजियाबाद के लोहियानगर के हिंदी भवन में 29 सितंबर को पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी की थी। यह भी कहा था, हम कभी धर्म को समझे ही नहीं। इन्होंने देशों, राष्ट्रों की बात की। उनके पास न एक देश है, न एक राष्ट्र है। जो अपने धर्म पर अडिग रहे, उनके सबके देख लो कितने राष्ट्र और कितने देश हैं। आज लाखों साल हो गए, हम रावण को जलाते आ रहे हैं। अब तो ऐसे-ऐसे अपराधी पैदा हो गए हैं, जिनके सामने रावण का कोई अस्तित्व नहीं है। अब दशहरे में रावण के पुतले नहीं जलने चाहिए। यति नरसिंहानंद यहां अमर बलिदानी मेजर आसाराम व्याग सेवा संस्थान के बैनर तले हुए कार्यक्रम में पहुंचे थे।

मप्र हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल बने धरमिंदर सिंह

भोपाल। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत के आदेश पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इसके अंतर्गत जिला सत्र न्यायालय कटनी में पदस्थ प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश धरमिंदर सिंह को हाईकोर्ट का नया रजिस्ट्रार जनरल बनाया गया है। जबकि वर्तमान रजिस्ट्रार जनरल मनोज कुमार श्रीवास्तव को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश भोपाल के रूप में स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह एडिशनल सेक्रेट्री विधि विभाग हर्ष सिंह बहरावत को रजिस्ट्रार प्रशासन हाईकोर्ट जबलपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खंडवा में पदस्थ डीजे नीरज मालवीय को ओएसडी इंदौर इंदौर बनाया गया है। अजय पंद्राम डीजे जबलपुर को रजिस्ट्रार इंस्पेक्शन हाईकोर्ट जबलपुर बनाया गया है। रजिस्ट्रार इंस्पेक्शन जबलपुर दीपक बंसल को डीजे भोपाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह पवन कुमार शर्मा प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश अशोक नगर को डीजे इंस्पेक्शन हाईकोर्ट इंदौर जोन बनाया गया है। राजेश गुप्ता प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय बैढन को डीजे उज्जैन, राजाराम भारतीय प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश मुरैना को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश पन्ना बनाया गया है। विवेक गुप्ता प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जबलपुर को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश उज्जैन बनाया गया है। प्रकाश चंद्र विशेष न्यायाधीश पन्ना को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश अशोक नगर बनाया गया है। संगीता मदान अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय इंदौर को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश मुरैना बनाया गया है। अमिताभ मिश्रा प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश भोपाल को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कटनी बनाया गया है। इसी तरह विजय सिंह अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जबलपुर को प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जबलपुर और आशीष कमार मिश्रा प्रिंसिपल रजिस्ट्रार परीक्षा, जबलपुर को प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायाालय ग्वालियर बनाया गया है।

लोकायुक्त भोपाल संभाग ने की कार्यवाई

एक लाख रु की रिश्वत लेते पकड़ाया ग्राम कलुआ सरपंच

भोपाल. आवेदक सतीश ठाकुर निवासी झिरियाखेड़ी थाना बिलखिरिया जो कॉन्ट्रेक्टर का काम करते है, ने ग्राम पंचायत कोलुआ में जल नल योजना के अंतर्गत पानी की टंकी का निर्माण कार्य किया था। कार्य पूर्ण होने के बाद एन. ओ. सी. जारी करने के लिए ग्राम कलुआ के सरपंच सुरेश परमार द्वारा आवेदक सतीश ठाकुर से एक लाख रु की रिश्वत की मांग की गई। जिसकी लिखित शिकायत आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त भोपाल संभाग से की गई।शिकायत सत्यापन उपरांत आज दिनाँक 09/10/24 को ट्रेपकर्ता अधिकारी नीलम पटवा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत कलुआ, थाना बिलखिरिया के सरपंच सुरेश परमार को मांगी

गई रिश्वत राशि की पहली किश्त 20,000/- रु लेते हुए ट्रेप टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। ट्रेप कार्यवाही जारी है। उक्त कार्यवाही में ट्रेपकर्ता अधिकारी नीलम पटवा, निरीक्षक मयूरी गौर, आरक्षक मुकेश परमार आदि शामिल है।

जनपद पंचायत आष्टा का पंचायत समन्वयक रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त भोपाल द्वारा रंगे हाथो पकडा गया

भोपाल। आवेदक राजेश सेन निवासी काजीखेड़ी तहसील आष्टा द्वारा पुलिस अधिक्षक लोकायुक्त भोपाल को आवेदन प्रस्तुत किया कि मेरे द्वारा काजीखेड़ी तथा मुंदीखेड़ी मे ह्या1द्व योजना से शोचालय निर्माण कराया गया था जिसमे हितग्राही की फ़ाइल को पात्र करने एवं भुगतान जारी करने के लिये जनपद पंचायत समन्वयक अर्जुन सिंह ठाकुर 5000 रुपए रिश्वत मांग रहा है। शिकायत की तस्दीक कराये जाने पर शिकायत सही पाई गयी। दिनांक 9/10/24 को निरीक्षक रजनी तिवारी के नेतृत्व में लोकायुक्त टीम ने जनपद पंचायत समन्वयक अर्जुन सिंह पिता कालूराम ठाकुर उम्र 48 वर्ष पंचायत

समन्वयक अधिकारी जनपद पंचायत आष्टा को जनपद पंचायत आष्टा के कार्यालय की पार्किंग मे आवेदक से 3000 रुपयों की रिश्वत लेने पर रंगे हाथों पकड़ा गया। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक घनश्याम मर्सकोले , महिला प्रधान आरक्षक नेहा परदेसी प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल. राजेंद्र पावन. आरक्षक मनमोहन साहू. राजीव तिवारी आदि उपस्थित रहे। आरोपी के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम।

पिछला बकाया लौटा नहीं रहे, नई किस्त मांगने में हज कमेटी ने कर दी जल्दी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सेंट्रल हज कमेटी ने हज आवेदकों से खर्च की पहली किस्त मांगने में जितनी जल्दबाजी दिखाई है, उतनी तत्परता उस मामले में नहीं दिखाई, जिसमें उसे पिछले साल के हाजियों की बकाया रकम वापस लौटाना है।

भोपाल समेत विभिन्न रुबात में ठहरे इन हाजियों की करोड़ों रुपए की राशि अब तक हज कमेटी के पास रखी हुई है। बार बार के रिमाइंडर और चिट्ठी पत्री पर भी उन्हें टका सा जवाब मिलता है, प्रक्रिया जारी है....! जानकारी के मुताबिक सऊदी अरब के मक्का और मदीना में भारत की कई रुबात (धर्मशालाएं) मौजूद हैं। तत्कालीन नवाब और निजामों ने अपने क्षेत्र की जनता को हज के दौरान सुविधाएं मुहैया कराने के लिहाज से इनका निर्माण कराया था। हाजियों को इनमें निःशुल्क ठहरने की अनुमति होती है। इससे उन्हें हज खर्च में बचत मिल जाती है।

जानकारी के मुताबिक हज आवेदन प्रक्रिया पूरी होते समय हाजियों से खर्च की पूरी राशि जमा करवा ली जाती है। जबकि रुबात में ठहरने वाले हाजियों की प्रक्रिया बाद में पूरी की जाती है। हज कमेटी ऑफ इंडिया रुबात पर खर्च होने वाली बाद में ऐसे हाजियों को लौटाती है।

मध्यप्रदेश के 200 यात्रियों के ठहरने की जगह

सऊदी अरब में मौजूद भोपाल नवाब द्वारा निर्मित रबात में करीब 200 हाजियों के ठहरने की जगह है। इनमें भोपाल, रायसेन और सीहोर जिले के हाजी शामिल होते हैं। पिछले वर्ष इन जिलों के करीब 200 हाजियों को एक लाख, 3500 रुपए प्रति हाजी के लिहाज से करीब दो करोड़, 70 लाख रुपए हज कमेटी के पास जमा हैं।

रुबात यहां की भी हैं

मक्का मदीना में भोपाल नवाबों की बनाई गई रुबात के अलावा हैदराबाद निजाम की रुबात भी हैं। टोंक रियासत ने यहां 3 रुबात बनवाई हैं। इसके साथ ही बोहरा समाज, आरकोट और अंजुमन की रुबात यहां मौजूद हैं। जिनमें करीब 5 हजार लोगों के मुफ्त ठहरने की गुंजाइश रखी गई है।

हज 2024 में शामिल हाजियों को सेंट्रल हज कमेटी ने अब तक रुबात की राशि नहीं लौटाई है। अकेले मप्र से करीब दो करोड़ रुपए हज कमेटी के पास हैं। सभी रुबात के मिलकर यह राशि बड़ा आंकड़ा रखती है। जहां हज कमेटी हाजियों की रकम वापसी पर अगंभीर है, वहीं अगले साल के हज के लिए पैसा मांगना चर्चाओं का विषय बन गया है।

मसूद बोले, पहले पुराना लौटाएं

राजधानी भोपाल के विधायक आरिफ मसूद ने हाजियों से समय पूर्व मांगी जा रही राशि को गलत करार दिया है। उनका कहना है कि कई महीनों पहले लोगों को राशि का इंतजाम करना मुश्किल भरा होगा। साथ ही इतने समय बड़ी रकम बैंक में रखे होने से इसमें ब्याज का गालमेल भी होगा। जो इस्लामी तरीके को दूषित करेगा। उन्होंने पिछले साल की हाजियों की बकाया रकम वापस करने की बात भी कही है।

सम्पादकीय

अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा नक्सलवाद...

नक्सलियों के सफाये के मद्देनजर यह साल 'सर्वश्रेष्ठ' के तौर पर दर्ज किया जाएगा, क्योंकि इस साल अभी तक 202 माओवादी उग्रवादियों को मारा जा चुका है, जबकि 723 ने आत्मसमर्पण किया और 812 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुरक्षा के क्षेत्र में यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। नक्सलवाद के संदर्भ में हमारे सुरक्षा ऑपरेशन की सफलता का कोई इकलौता कारण नहीं है। ऑपरेशन कई दशकों से जारी रहे हैं, लेकिन ऐसी कामयाबी नहीं मिली थी, जिसके आधार पर आकलन किया जा सके कि अब 'लाल उग्रवाद' समाप्ति के दौर में है।

देश में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। छत्तीसगढ़ के बस्तर के अबूझमाड़ घने जंगलों में सुरक्षा बलों ने एक ही लड़ाई में 31 नक्सलियों को ढेर कर इस बात को पुख्ता किया है। अबूझमाड़ ऐसा पिछड़ा और खतरनाक इलाका है कि सरकारी अधिकारी वहां जाने से पहले कांपने लगते हैं, लिहाजा उस इलाके में हमारे जांबाज सुरक्षा बलों की यह बहुत बड़ी जीत है। सिर्फ छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों तक नक्सली सिमट कर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, बिहार, झारखंड सरीखे राज्यों में नक्सली बेहद उग्र और व्यापक थे, लेकिन अब उनके अवशेष ही मौजूद हैं। इन राज्यों के गरीबों, किसानों, आदिवासियों और भूमिहीनों में कोई भी भूमि-सुधार लागू नहीं हो सका है अथवा इन तबकों की आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में कोई सुधार नहीं हुआ है। नक्सलवाद की शुरुआत इसी मकसद से हुई थी, लेकिन बाद में वे 'माओवादी उग्रवादी' बनकर ही रह गए। तो नक्सलवाद नाम की क्रांति के मायने क्या रह गए हैं? अब यह कोरी हिंसा और आतंकवाद के एक प्रारूप का नाम रह गया है। अबूझमाड़ के जंगलों में जो ऑपरेशन किया गया, वह छत्तीसगढ़ के इतिहास में 'अकेला सबसे बड़ा' माना जाएगा। यह इसलिए भी 'अभूतपूर्व' माना जाएगा, क्योंकि ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के शीर्ष कमांडरों-कमलेश और नीति-को भी मार दिया गया। यह हमारे सुरक्षा बलों की रणनीति की शानदार जीत है। नक्सलियों के सफाये के मद्देनजर यह साल 'सर्वश्रेष्ठ' के तौर पर दर्ज किया जाएगा, क्योंकि इस साल अभी तक 202 माओवादी उग्रवादियों को मारा जा चुका है, जबकि 723 ने आत्मसमर्पण किया और 812 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सुरक्षा के क्षेत्र में यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। नक्सलवाद के संदर्भ में हमारे सुरक्षा ऑपरेशन की सफलता का कोई इकलौता कारण नहीं है। ऑपरेशन कई दशकों से जारी रहे हैं, लेकिन ऐसी कामयाबी नहीं मिली थी, जिसके आधार पर आकलन किया जा सके कि अब 'लाल उग्रवाद' समाप्ति के दौर में है। नक्सलियों की सोच थी कि भारत में संसदीय लोकतंत्र खत्म किया जाए। 2050 तक देश की सत्ता पर 'माओवादी चेहरा' आसीन होना चाहिए। जिस दौर में नक्सलवाद का विस्तार हो रहा था और खुद केंद्रीय गृह मंत्रालय मानता था कि 100 से अधिक जिलों में नक्सलवाद की मौजूदगी है, तब यह उम्मीद नहीं थी कि 'लाल उग्रवाद' अबूझमाड़ के जंगलों तक सिमट कर रह जाएगा। नक्सलवाद के खिलाफ शानदार सफलता में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय और समझ, माओवादी गढ़ के निकट अधिकतर सुरक्षा-शिविरों की स्थापना और उनके संचालन, तकनीकी सुधार के तहत ड्रोन की तैनाती और सभी क्षेत्रों में बेहतर संचारी जुड़ाव आदि का भरपूर योगदान रहा है। हमारे सुरक्षा दस्ते किसी एक बल के जवानों से नहीं बनते, बल्कि वे कई बलों का मिश्रण होते हैं और उसी ताकत से ऑपरेशन करते हैं। इन्हीं ऑपरेशनों के कारण ही नक्सली हिंसा में, 2023 में, करीब 72 फीसदी की कमी आई है। यह गिरावट देशभर में देखी गई है। हमारे मिश्रित सुरक्षा बलों के ऑपरेशन नियमित तौर पर जारी रहते हैं, नतीजतन उनका असर टिकाऊ और स्थिर रहता है। हिंसा में करीब 13 साल पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। हमने वे हादसे भी देखे हैं, जब नक्सली हिंसा में एक साथ 76 जवान शहीद कर दिए गए थे। जिस तरह नक्सलियों के शीर्ष कमांडरों और उग्रवादियों को, ऑपरेशन के जरिये, ढेर किया गया है, वह दशकों पहले इतना आसान नहीं था, क्योंकि गांवों और दूरदराज के इलाकों में नक्सलियों की समानांतर सत्ता चलती थी।

खुद की सेहत का ख्याल भी रखें डॉक्टर!

अच्छे स्वास्थ्य की बात करें तो शारीरिक व बौद्धिक पुष्टता होने के साथ मानसिक रूप से सशक्त होना भी अनिवार्य है। भागदौड़ भरी जिंदगी में निरंतर उपजता तनाव वैश्विक स्तर पर आज एक प्रमुख चुनौती बन चुका है। इसके चलते प्रतिवर्ष सात लाख से अधिक लोग जान गंवा बैठते हैं। लोगों को स्वस्थ बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाला चिकित्सा क्षेत्र तो इस संदर्भ में दो कदम आगे ही पाया गया।

वियना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा 1960 से 2024 के बीच का डेटा लेकर 20 देशों पर किए गए 39 अध्ययनों के व्यापक विश्लेषण खुलासा करते हैं कि महिला डॉक्टर्स में खुद के जीवन को आघात पहुंचाने का जोखिम सामान्य लोगों की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक है, जबकि पुरुष डॉक्टरों में यह अन्य पेशों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक रहा। अध्ययन में सामने आया कि चिकित्सा क्षेत्र में शामिल पुरुष-महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से भारी दबाव रहता है, जो उन्हें आत्मघाती कदम उठाने की ओर धकेलने का सबब बन सकता है। विगत कुछ वर्षों से खुद के ही घात के सर्वाधिक प्रकरण भारतवर्ष में देखने को आए। यहां प्रतिवर्ष डेढ़ लाख लोगों की मृत्यु में कारण उनके द्वारा आत्मघाती मार्ग अपनाना था। 2022 में भारतीय मनोचिकित्सा पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन देश में डॉक्टर्स के बीच आत्महत्या की दर सामान्य आबादी की तुलना में अढ़ाई गुणा अधिक होने की बात कहता है। इसके अनुसार, देश में प्रतिवर्ष लगभग 350 डॉक्टर आत्मघाती कदम उठा रहे हैं। देश का हर दूसरा डॉक्टर गहरे तनाव का सामना कर रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2016 में 9,478 छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या 2021 में बढ़कर 13,089 हो गई, इस वर्ष प्रतिदिन 35 छात्रों ने खुदकुशी की। आत्महत्या के सर्वाधिक मामले मेडिकल क्षेत्र से संबद्ध रहे। गत वर्ष 119 प्रकरण संज्ञान में आए, जोकि अब तक के अधिकतम मामले हैं। डॉक्टर्स के बीच तनाव व थकान की गंभीर समस्या को लेकर आईएमए द्वारा 2023 में किया गया सर्वेक्षण 82 प्रतिशत चिकित्सकों में बहुत अधिक थकान महसूस करने का तथ्य उजागर करते हुए बताता है कि 40 फीसदी डॉक्टर्स का तनाव उनके व्यक्तिगत जीवन को भी कई मायनों में प्रभावित कर रहा है। मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर राष्ट्रीय कार्यबल की रिपोर्ट बताती है कि विगत 12 महीनों में 16.2 प्रतिशत एमबीबीएस छात्रों ने मन में स्वयं को हताहत करने या आत्महत्या करने संबंधी विचार आने की बात स्वीकारी। बता दें कि एम.डी./एम.एस. छात्रों के मामले में यह 31 फीसदी दर्ज की गई। इस अनवरत बढ़ते मानसिक दवाब में प्रमुख कारण हैं पेशेवर चुनौतियां व लंबी कार्य अवधि जो तन-मन के लिए अपेक्षित विश्रान्ति का अवसर ही नहीं देतीं। साल 2021 के जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर के तहत, भारत में 70 प्रतिशत डॉक्टर हर सप्ताह 80 घंटे से अधिक कार्य करते हैं जबकि 35 प्रतिशत डॉक्टर्स के मामले में यह अवधि 100 घंटे से भी अधिक है। दुर्व्यवहार का भय भी तनाव में एक बड़ा कारण है। साल 2019-23 के मध्य ड्रॉपआउट दर तेजी से बढ़ने में निस्संदेह पेशेवर तनाव अहम कारण है। एनसीआरबी आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान 32,186 छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी। शोधकर्ताओं के कथनानुसार, आत्महत्याएं रोकने के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। इसकी शुरुआत बचपन से ही हो जानी चाहिए। अधिकतर अभिभावक बच्चों में आईक्यू बढ़ाने पर जोर देते हैं किंतु ईक्यू यानी इमोशनल इंटेलीजेंस सुधारने के बारे कम ही सोचते हैं। भारत में लगभग 60 प्रतिशत किशोर भावनात्मक स्तर पर कम विकसित पाए गए। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय विद्यालयों में मात्र 20 प्रतिशत बच्चों को ही भावनात्मक स्तर पर शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिल पाता है।

रतन टाटा: मानवीयता के साथ उद्यमिता के मार्गदर्शक का निधन, एक युग का अंत

भारतीय उद्योग जगत के अद्वितीय नेता रतन टाटा का निधन भारतीय व्यापारिक इतिहास में एक गहरा शून्य छोड़ गया है। 86 वर्ष की आयु में, 2024 में उनका निधन हुआ, और उनके साथ भारतीय उद्यमिता के एक युग का समापन हुआ। रतन टाटा केवल एक सफल उद्योगपति नहीं थे, बल्कि वे नैतिकता, उदारता और समाज के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाने जाते थे। उनके जीवन और योगदान ने न केवल भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध किया, बल्कि सामाजिक रूप से भी उन्हें एक आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया। रतन टाटा, भारतीय उद्योग जगत के वह महानायक हैं, जिन्होंने न केवल टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि व्यापार में नैतिकता और समाज के प्रति दायित्वों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनकी नेतृत्व क्षमता और दृष्टिकोण ने उन्हें एक अद्वितीय व्यापारिक व्यक्तित्व बना दिया है। लेकिन उनकी कहानी केवल व्यापारिक सफलता की नहीं है, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की है, जिसने अपने जीवन में प्रेम, सदाशयता और सेवा को उच्चतम स्थान दिया। रतन टाटा का जन्म 28 दिसंबर 1937 को मुंबई में हुआ था। वे एक प्रतिष्ठित और व्यवसायिक परिवार से आते थे, जो जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित टाटा समूह का हिस्सा था।

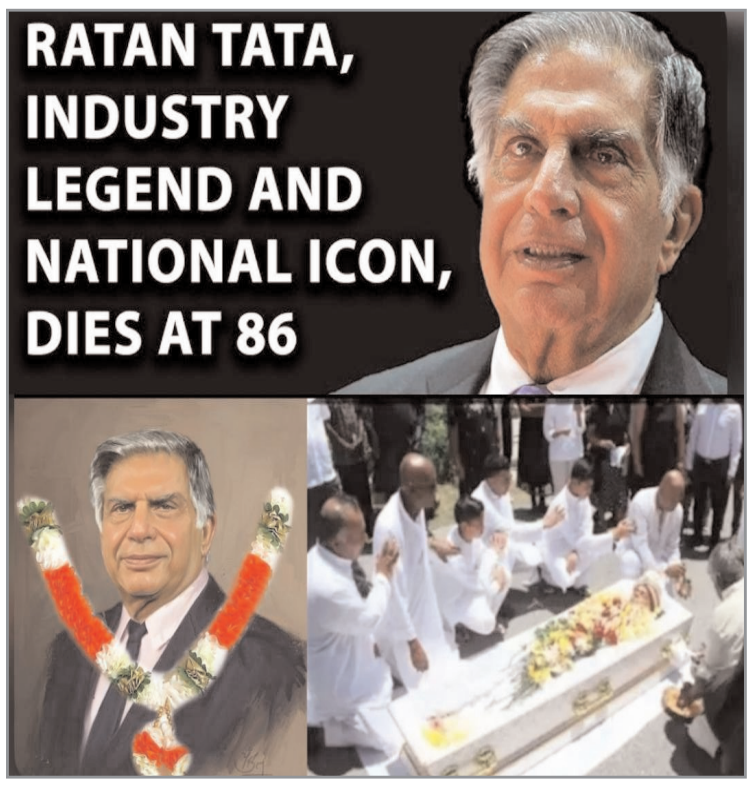

रतन टाटा का बचपन संघर्षपूर्ण था क्योंकि उनके माता-पिता का तलाक हो गया था, और उन्हें अपनी दादी नवाजबाई टाटा ने पाला। बचपन में मिली यह भावनात्मक चुनौती उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसने उनके व्यक्तित्व को सहनशील और संवेदनशील बनाया। उनकी शिक्षा अमेरिका के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से हुई। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से आर्किटेक्चर और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम किया। उनके पास अमेरिका में काम करने के अवसर थे, लेकिन अपनी दादी की प्रेरणा पर वे भारत लौटे और टाटा समूह में काम शुरू किया। रतन टाटा ने 1961 में टाटा स्टील के शॉप फ्लोर से अपने करियर की शुरुआत की। यह अनुभव उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि उन्होंने श्रमिकों के साथ काम करके जमीनी हकीकत को नजदीक से देखा। 1991 में, जब जे.आर.डी. टाटा ने टाटा समूह की बागडोर रतन टाटा को सौंपी, तो यह समूह मुख्यत: भारतीय बाजार पर केंद्रित था। लेकिन रतन टाटा ने समूह को वैश्विक स्तर पर ले जाने का सपना देखा। उनके नेतृत्व में टाटा समूह ने कई वैश्विक अधिग्रहण किए, जिनमें टाटा स्टील का कोरस (2007), टाटा मोटर्स का जगुआर-लैंड रोवर (2008) और टाटा टी का टेटली (2000) अधिग्रहण शामिल हैं। ये अधिग्रहण न केवल टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलाने में सहायक बने, बल्कि भारतीय उद्योग जगत के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बने। रतन टाटा की दूरदर्शिता और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की नीति ने टाटा समूह को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। उनके कार्यकाल में ही टाटा मोटर्स ने टाटा नैनो जैसी सस्ती कार लॉन्च की, जिसे दुनिया की सबसे किफायती कार के रूप में देखा गया। नैनो का उद्देश्य भारतीय मध्यम वर्ग के लोगों के सपने को साकार करना था। इस परियोजना में उनकी व्यक्तिगत दिलचस्पी ने दिखाया कि वे केवल व्यापारिक लाभ पर ध्यान नहीं देते थे, बल्कि समाज के हर तबके की आवश्यकताओं को समझते थे। रतन टाटा का निजी जीवन सादगी और विनम्रता का एक उदाहरण है। हालांकि उन्होंने चार बार विवाह करने का विचार किया, लेकिन हर बार किसी न किसी कारणवश विवाह नहीं हो सका। उनका सबसे गहरा प्रेम एक अमेरिकी युवती से हुआ था, जब वे अमेरिका में पढ़ाई कर रहे थे। वे उसे भारत लाना चाहते थे, लेकिन युवती के परिवार ने अनुमति नहीं दी, और इस प्रकार उनका यह संबंध समाप्त हो गया। इसके बाद, उन्होंने कभी विवाह नहीं किया और जीवनभर अविवाहित रहे। उनका यह निर्णय उनके जीवन में भावनात्मक रूप से गहरे प्रभाव छोड़ गया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने जीवन को समाजसेवा और व्यवसायिक जिम्मेदारियों में लगा दिया। उनका व्यक्तिगत जीवन बहुत ही सरल था, और उनकी सादगी हमेशा उनके सार्वजनिक जीवन में भी दिखाई देती रही। वे बहुत ही मिलनसार और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे, जो अक्सर बड़े से बड़े सम्मेलनों में भी सरल कपड़ों में नजर आते थे। रतन टाटा का प्रेम केवल इंसानों तक ही सीमित नहीं था। उन्हें जानवरों से बेहद लगाव था, विशेषकर कुत्तों से। उनके घर में कई कुत्ते रहते थे, और वे उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते थे। टाटा समूह की इमारतों में भी आवारा कुत्तों के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। यह उनकी सहानुभूति और संवेदनशीलता का एक और पहलू था, जो उनके मानवीय पक्ष को उजागर करता है। रतन टाटा का जीवन सदैव परोपकार और समाजसेवा से प्रेरित रहा। वे केवल एक सफल व्यवसायी नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाने वाले व्यक्ति थे। उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा समाज की भलाई के लिए समर्पित किया। टाटा समूह की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी नीतियों के तहत उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण पहल की एवं इन क्षेत्रों में टाटा समूह की पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करती हैं। टाटा ट्रस्ट, जो भारत के सबसे बड़े परोपकारी संगठनों में से एक है, उनके नेतृत्व में समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत रहा।अपने ही कर्मचारी के लिए उसके नौकरी छोड़ने के बाद भी उसको सहयोग देना, यह कोई टाटा परिवार से सीखें जो उन्होंने मूर्ति परिवार का पूरा सहयोग कर एक इंफोसिस जैसी कंपनी का निर्माण किया। उन्होंने ने अपनी व्यक्तिगत संपत्ति का बड़ा हिस्सा समाज के कल्याण के लिए दान कर दिया। वे सादगी और नैतिकता में विश्वास रखते थे, और उनके जीवन का यह पहलू उन्हें अन्य उद्योगपतियों से अलग करता है। उन्होंने कई मौकों पर मानवीयता और उदारता का परिचय दिया, जिसमें टाटा अस्पतालों का निर्माण और शिक्षा संस्थानों के लिए आर्थिक सहयोग शामिल है। रतन टाटा की उदारता केवल टाटा समूह तक सीमित नहीं थी। 26/11 के मुंबई हमलों के बाद, उन्होंने ताज होटल के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सहायता के लिए व्यक्तिगत रूप से कदम उठाए। उनका यह कदम दिखाता है कि वे न केवल एक संवेदनशील व्यवसायी थे, बल्कि कठिन परिस्थितियों में दूसरों का सहारा बनने वाले एक महान व्यक्ति भी थे। रतन टाटा के जीवन के कुछ पहलू बहुत कम लोग जानते हैं। वे एक प्रशिक्षित पायलट थे, और उन्हें विमान उड़ाने का बहुत शौक था। 2007 में उन्होंने स्र-16 फाइटर जेट उड़ाया था, जो उनके साहसी और रोमांचक व्यक्तित्व का प्रतीक है। इसके अलावा, उन्हें कारों का भी बहुत शौक था, और उनके पास कई प्रतिष्ठित कारें थीं। रतन टाटा केवल एक व्यापारिक नेता नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अपने जीवन में सादगी, उदारता, और प्रेम को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके नेतृत्व ने जहां टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, वहीं उनके मानवीय कार्यों ने समाज के प्रति उनके गहरे समर्पण को भी उजागर किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि व्यापार में सफलता केवल मुनाफे से नहीं, बल्कि नैतिकता, सदाशयता और समाजसेवा से प्राप्त होती है। उनकी कहानी हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है, जो व्यापार में नैतिकता और समाज के प्रति जिम्मेदारी को महत्व देता है। उनका जीवन सिद्ध करता है कि चाहे कितनी भी ऊंचाइयां क्यों न छू लें, अपने मूल्यों और आदर्शों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। रतन टाटा के निधन से भारतीय उद्योग जगत में एक युग का अंत हो गया। उनका जीवन केवल व्यापारिक सफलता की कहानी नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी थी जिसने अपने मूल्यों और नैतिकता से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन न केवल व्यापारिक जगत के लिए, बल्कि उन लाखों लोगों के लिए भी एक बड़ी क्षति है, जिन्होंने उनसे प्रेरणा ली।रतन टाटा ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि व्यापार में सफलता केवल मुनाफे से नहीं, बल्कि नैतिकता, सदाशयता और समाज के प्रति जिम्मेदारी से प्राप्त होती है। जिनका नाम ही रतन हो उसे भारत रत्न सरकार दे या ना दे, कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि कई बार पुरस्कार ही पुरस्कृत किये गए व्यक्ति से गौरवान्वित होता है, यह वैसी ही परिस्थिति है। उनके आदर्श, उनकी सादगी और उनकी उदारता उन्हें हमेशा के लिए भारतीय समाज की स्मृतियों में जीवित रखेगी और वे हमेशा लाखों लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे । रतन टाटा की उदारता केवल टाटा समूह तक सीमित नहीं थी। 26/11 के मुंबई हमलों के बाद, उन्होंने ताज होटल के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सहायता के लिए व्यक्तिगत रूप से कदम उठाए। उनका यह कदम दिखाता है कि वे न केवल एक संवेदनशील व्यवसायी थे, बल्कि कठिन परिस्थितियों में दूसरों का सहारा बनने वाले एक महान व्यक्ति भी थे। रतन टाटा के जीवन के कुछ पहलू बहुत कम लोग जानते हैं। वे एक प्रशिक्षित पायलट थे, और उन्हें विमान उड़ाने का बहुत शौक था। 2007 में उन्होंने स्र-16 फाइटर जेट उड़ाया था, जो उनके साहसी और रोमांचक व्यक्तित्व का प्रतीक है। इसके अलावा, उन्हें कारों का भी बहुत शौक था, और उनके पास कई प्रतिष्ठित कारें थीं। रतन टाटा केवल एक व्यापारिक नेता नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अपने जीवन में सादगी, उदारता, और प्रेम को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके नेतृत्व ने जहां टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई, वहीं उनके मानवीय कार्यों ने समाज के प्रति उनके गहरे समर्पण को भी उजागर किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि व्यापार में सफलता केवल मुनाफे से नहीं, बल्कि नैतिकता, सदाशयता और समाजसेवा से प्राप्त होती है। उनकी कहानी हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है, जो व्यापार में नैतिकता और समाज के प्रति जिम्मेदारी को महत्व देता है। उनका जीवन सिद्ध करता है कि चाहे कितनी भी ऊंचाइयां क्यों न छू लें, अपने मूल्यों और आदर्शों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। रतन टाटा के निधन से भारतीय उद्योग जगत में एक युग का अंत हो गया। उनका जीवन केवल व्यापारिक सफलता की कहानी नहीं थी, बल्कि यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी थी जिसने अपने मूल्यों और नैतिकता से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन न केवल व्यापारिक जगत के लिए, बल्कि उन लाखों लोगों के लिए भी एक बड़ी क्षति है, जिन्होंने उनसे प्रेरणा ली।रतन टाटा ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि व्यापार में सफलता केवल मुनाफे से नहीं, बल्कि नैतिकता, सदाशयता और समाज के प्रति जिम्मेदारी से प्राप्त होती है। जिनका नाम ही रतन हो उसे भारत रत्न सरकार दे या ना दे, कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि कई बार पुरस्कार ही पुरस्कृत किये गए व्यक्ति से गौरवान्वित होता है, यह वैसी ही परिस्थिति है। उनके आदर्श, उनकी सादगी और उनकी उदारता उन्हें हमेशा के लिए भारतीय समाज की स्मृतियों में जीवित रखेगी और वे हमेशा लाखों लोगों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे ।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ़ छत्तीसगढ़)

पूर्व मंत्री संजय पाठक के आधार कार्ड में छेड़छाड़

पुलिस और साइबर विभाग कर रहे जांच

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी जिले के पूर्व मंत्री व विजयराघवगढ़ के वर्तमान विधायक संजय पाठक के आधार कार्ड में छेड़ छाड़ कर पता बदले का अमला प्रकाश में आया है। जिस मामला की संजय पाठक ने एसपी और कलेक्टर से की है। इस मामले में पुलिस विभाग और साइबर विभाग जांच कर रहा है।

पूर्व मंत्री व विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए बताया की उन्हे बैंक की कर्मियों से इस मामले में पता चला की उनके आधार कार्ड में उनका पता बदल दिया है जिसमे उनका वर्तमान पता पाठक वार्ड से बदल कर जीरापुर पंजाब कर दिया गया है। संजय पाठक ने यह भी बताया की उन्हे संदेह है की उन्हे हानि पहुंचाने के लिए सामाजिक तत्वों द्वारा उनका पता दिल्ली से 50 का चालान काटा कर बदल दिया गया है। संजय पाठक ने यह भी कहा कि उन्हें संदेह है की वह वर्तमान में विधायक के साथ व्यापारी भी है। इसी के चलाते उनके साथ इस तरह किया जा रहा है।

रीठी तहसील के शासकीय हाई स्कूल में छात्राओं पर अमानवीय सजा का वीडियो वायरल

जिला शिक्षा अधिकारी ने दिए जांच के आदेश

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी जिले के रीठी तहसील स्थित शासकीय हाई स्कूल बिरुहली का एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है जिसमे साफ देखा जा सकता है की स्कूल की फीमेल छात्राओ को अतिथि टीचर द्वारा सजा के रूप मुर्गा बना उन्हे प्रताड़ित किया जा रहा है। इस वीडियो के बारे जिला शिक्षा अधिकारी से बात करने पर उन्होंने इस पूरे मामले में कार्यवाही करने की बात की है..वही मिडिल स्कूल की छात्राओं ने बताया की उनकी हाई स्कूल में पढ़ाई करने वाली दीदी के साथ आए अतिथि टीचर द्वारा आए दिन इसी तरह से मुर्गा बना प्रताड़ित किया जाता है और वह डरी सहमी सी रहती है। और जब भी वे हाई स्कूल की तरफ जाती है तो उन्हें भी वहा स्थित प्राचार्य द्वारा उन्हे डरा धमका कर से भगा दिया जाता है।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है की क्लास में बैठी अतिथि टीचर द्वारा छात्राओ को किया तरह से मुर्गा बना उन्हे प्रताड़ित किया जा रहा है। वही जब हमारी टीम भी इस शासकीय हाई स्कूल बिरुहली के छात्र छात्राओ से बात करनी चाही तो वह स्कूल के प्रिंसिपल मौजी लाल चक्रवर्ती और गेस्ट टीचर रखी बिचपुरिया जो छात्र छात्राओं को मुर्गा बना प्रताड़ित करती है उन्हे देख घबरा गए और क्लास के अंदर चले गए। वही जब इस परिसर स्थित शासकीय मिडिल स्कूल बिरुहली के टीचर से बात की तो उनका कहना था की यह पूरा स्कूल एक ही स्थान पर संचालित होता है लेकिन यहाँ की गेस्ट टीचर राखी बिचपुरिया द्वारा हाई स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ बहुत बुरा व्यवहार करती है फीमेल छात्राओं को मुर्गा बना उन्हे प्रताड़ित करती है चाहे वह छात्रा किसी भी बीमारी से क्यों न पीड़ित हो, वही इसकी शिकायत छात्राओ द्वारा कई बार हाई स्कूल के प्राचार्य मौजी लाल चक्रवर्ती से कर चुकी है लेकिन वह सिर्फ शिकायत करने की बात स्कूल में ही सुन कोई कार्यवाही नहीं करते है।..वही जब हमारी टीम ने इस पूरे मामले की जानकारी हाई स्कूल के सामने मिडिल स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं से बात की तो उनका कहना था की हाई स्कूल में पढ़ाई करने वाली जो दीदी है उनके साथ स्कूल में स्थित गेस्ट टीचर राखी बिचपुरिया द्वारा आए दिन मुर्गा बना प्रताड़ित करती है और शिकायत करने पर उनके परिजनों को डरा धमाने का काम करती है। वही मिडिल स्कूल के छात्रओ ने यह भी बताया की उनकी क्लास पहले रहती है और वह स्कूल पहले आ जाते है और वह जब सुबह स्कूल आते है तो हाई स्कूल के प्राचार्य मौजी लाल चक्रवर्ती द्वारा उनसे स्कूल की साफ सफाई कराई जाती है और इसकी शिकायत किसी से भी करने पर डराते धमकते रहते है।..इस पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी प्रथ्वीपाल से की गई तो उनका कहना था की हाई स्कूल में छात्राओं को मुर्गा बना प्रताड़ित करने वाला मामला पहली बार प्रकाश में आया है इस पूरे मामले में जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी होगा उसपर कार्यवाही कराई जाएगी।

अनुपपुर के दो गांजा तस्कर पेंड्रा में गिरफ्तार

41 लाख का गांजा कार सहित पुलिस ने किया जब्त

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ
अनूपपुर, छत्तीसगढ़ की पेंड्रा पुलिस ने अनूपपुर जिले के 2 गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि दोनों तस्कर 41 लाख का 5 क्विंटल गांजा राजेंद्रग्राम लेकर जा रहे थे, जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर धर दबोचा है। पूरा मामला जीपीएम थाना क्षेत्र का है। दरअसल, अनूपपुर के 2 गांजा तस्कर ओडिशा के बलंगीर से गांजा लेकर आ रहे थे। पुलिस को इसकी खबर मिली। पुलिस ने नाकेबंदी कर चेकिंग तेज की। इस दौरान कार से 2 लोग आते नजर आए।

गाड़ी रोक कर तलाशी ली गई। इस दौरान पुलिस ने दोनों को गांजा के बारे में पूछताछ की। पायलटिंग वाहन और सहयोगियों सप्लायर्स की जानकारी भी मिली है। इस बार भी गांजा ओडिशा के बलांगीर क्षेत्र से मध्यप्रदेश के राजेंद्रग्राम की ओर ले जाया जा रहा था। गांजा तस्करों से गांजा 2.2 क्विंटल मूल्य लगभग 41 लाख, 6 कार अनुमानित मूल्य 10 लाख, मोबाइल 3 नग, नगदी रकम 1500 रुपए जब्त हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों में रामप्रसाद यादव पिता दसुवा यादव उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम ताराडांड थाना अनूपपुर जिला अनूपपुर, सोनू पांडे पिता स्व विशेष पांडे उम्र 30 वर्ष थाना अनूपपुर जिला अनूपपुर को गिरफ्तार किया गया है। वर्तमान कार्यवाही को मिलाकर लगभग एक माह में जीपीएम पुलिस ने तीन मामलों में लगभग 485 किलो गांजा जिसका बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ है। वहीं पांच चारपहिया वाहन जिनकी बाजार कीमत लगभग 60 लाख बरामद किया है।
वहीं फाइनेंशियल ट्रेल को ट्रेस करते हुए 2 दर्जन खाते होल्ड करवाएं हैं। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में मध्यप्रदेश के 7 और छत्तीसगढ़ के 4 कुल 11 व्यक्तियों पर कार्रवाई की गई है। सभी मामलों में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20बी और 29 के तहत कार्यवाही की गई है।

सी ई ओ एवम लेखापाल से तंग होकर जनपद अध्यक्ष और सदस्यों ने दी आमरण अनशन की चेतावनी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, जनपद पंचायत कोतमा में प्रभारी जपं सीइओ और प्रभारी लेखापाल के खिलाफ जपं अध्यक्ष और सदस्य लामबंद हो गए हैं, जहां सोमवार को कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के साथ जिपं सीइओ के नाम ज्ञापन प्रेषित करते हुए आगामी 15 अक्टूबर से आमरण अनशन पर बैठने की चेतावनी दे डाली है। अधिकारियों को दिए गए ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने उल्लेख किया है कि हम सभी जनपद अध्यक्ष और सदस्यगण वर्ष 2022-23 में निर्वाचित होकर आए हैं। लेकिन दो वर्ष से हम लोग अपने जनपद मद की राशियों विकास कार्य प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रभारी लेखापाल दोनों के तानाशाही से नहीं कर सके हैं। विकास कार्य अवरूद्ध है। प्रभारी अधिकारी एवं प्रभारी लेखापाल स्वयं को लाभ अर्जित करने भ्रष्टचार करने में माहिर है। वहीं मुख्य मांगों में जनपद समिति द्वारा दी गई 15 वित्त की 10 प्रतिशत राशि की 2022-23 एवं 2023-24 दो वर्ष की कैशबुक बिल, व्हाउचर एवं सभी अभिलेख जब्त कर जांच कराया जाए। 5वां राज्य वित्त आयोग की राशि से जप के बिना प्रस्ताव के ही नियम विरूद्ध कुर्सी, टेबिल, पंखा, कूलर, क्रय कर भ्रष्टचार किया गया है, सभी रिकार्ड जब्त कर जांच कराई जाए। वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में राज्य शासन द्वारा दी गई मद 5वां राज्य वित्त में कार्यालय द्वारा किए गए भुगतान बिल, कैश बुक जब्त कर जांच कराया जाए। विष्णु गुप्ता प्रभारी लेखापाल विगत कई वर्षों से वित्त का प्रभार कार्य देख रहे हैं, वर्ष 2015- 16 से 2022-23 तक की सभी अभिलेख जब्त कर जांच कराई जाए। प्रभारी लेखापाल और प्रभारी सीइओ को पद से मुक्त कर जांच कराया जाए शामिल है।

मै हूँ अभिमन्यु अभियान के तहत चला जनसंवाद

थाना प्रभारी कुठला की अपील के बाद ग्रामीणों ने दुर्गा विसर्जन के दिन नशा न करने का लिया प्रण

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा महिलाओ एवं बालिकाओ के विरूद्ध हो रहे अपराधों एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा सुरक्षित वातारण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेषकर पुरूषों को जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान मै हूँ अभिमन्यु चालाया जा रहा है । इसी तारतम्य में श्रीमान पुलिस महोदय श्री अभिजीत कुमार रंजन के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संतोष डेहरिया, नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमति ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी कुठला अपने स्टॉफ के साथ ग्राम मझगवा फाटक पहुँचे थाना प्रभारी अभिषेक चौबे ने बताया कि मै हूँ अभिमन्यु अभियान के तहत हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे सके जिस तरह अभिमन्यु ने माँ के गर्भ में ही चक्रव्यूह भेदना सीख लिया था उसी प्रकार से हम भी अपने बच्चों को सुसंस्कृत करे जिससे वे महिलाओं की इज्जत करे और उन्हे सम्मान दे । हमें भी नशा, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा, लिंगभेद आदि चक्रव्यूह भेदना है उसी दौरान कार्यक्रम में ज्वारा एवं दुर्गा विसर्जन को लेकर कुठला पुलिस ने चर्चा और बताया कि दिन में विसर्जन करे रात्रि के समय में पण्डालों में कोई न कोई व्यक्ति अवश्य रुके और पूरी तरह से वैरिकेटिंग की जाए करेंट एवं आग को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । थाना प्रभारी ने सभी लोगों से शराब छोड़ने की अपील की जिनकी अपील के बाद ग्रामीणों ने विसर्जन के दिन शराब ना पीने की शपथ ली, जिसमे गाँव के सरपंच, गाँव के गणमान्य नागरिक व गाँव के समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नगर परिषद के सब इंजीनियर की पार्षद ने की शिकायत

ठेकेदार से सांठगांठ के आरोप

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर नगर परिषद बरगवां अमलाई में पदस्थ सब इंजीनियर अंजनी प्रजापति पर वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद सौरभ कोरी द्वारा आरोप लगाया गया है कि वह समय पर कार्यालय नही पहुंचने एवं परिषद में कार्यरत ठेकेदार से सांठगांठ कर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है। पार्षद ने संयुक्त संचालक को शिकायत भेजकर कार्यवाही की मांग की है शिकायत में बताया कि सब इंजीनियर अंजनी शासन के नियमो की अवहेलना कर रहे है एवं समय पर कार्यालय नही पहुंचते जबकि नियमानुसार सुबह 10 बजे से 6 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहने को शासन ने सर्कुलर जारी किया है समय पर कार्यालय में उपस्थित न होने के कारण हितग्राहियों के कार्य प्रभावित हो रहे है। क्षेत्र की जनता के कार्य नही होने से परेशान हो रहे है।
यह भी आरोप लगाया गया है कि नगर परिषद क्षेत्र में एलटी लाइट

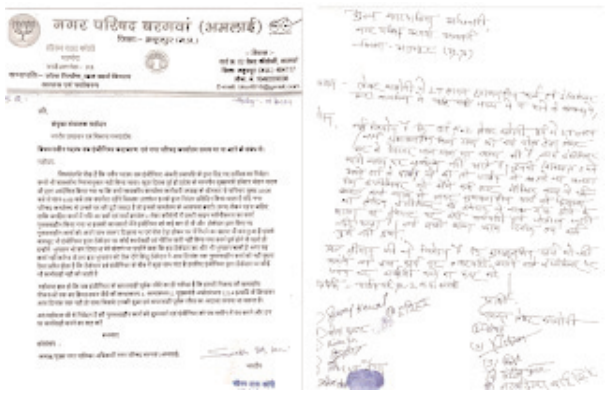

नवीनीकरण का कार्य चल रहा है जिसमे गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। वार्ड क्रमांक 2 में एलटी लाइट के कार्य मे ठेकेदार द्वारा टेढ़ा पोल लगाया गया है जो कभी भी सामने स्थित घर पर धराशायी हो सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है। जिसे पार्षद सौरभ कोरी द्वारा इंजीनियर अंजनी प्रजापति को बताने और दिखाने के बाद भी उसमें सुधार नही कराया गया है। पार्षद ने आरोप लगाया है कि इंजीनियर और ठेकेदार के बीच सांठगांठ से गुणवत्ताहीन कार्य कराया जा रहा है जिसका भुगतान भी करा दिया गया है। बता दे कि नगर परिषद के गठन के बाद से क्षेत्र में विकास का कोई पता नही चल रहा है। शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन जैसे कायाकल्प -1, कायाकल्प-2 एवं मुख्यमंत्री अधोसंरचना 2,3,4 का आज तक क्रियान्वयन नही हुआ है। बताया गया कि क्षेत्र की समस्याओं के विषय मे बताए जाने के बाद भी अधिकारी द्वारा उस पर अमल नही किया जाता है।

अनमोल होटल एवम वंदन इडली दोनो होटल और ढेला की आड़ में चला रहे सट्टे का कारोबार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर जिले के मुख्य चौक इंदिरा चौक पर स्थित होटल अनमोल जिसका संचालक हरी केसरवानी है एवं इसी चौक पर स्थित इडली का ठेला लगाने वाला वंदन दहिया दोनो ही जोर सोर से सट्टे का कारोबार कर रहे है , सट्टा पर्ची काटने का तरीका पुराना हो गया है इस समय दोनो ही मॉडर्न टेक्नोलॉजी अपनाते हुए मोबाइल से ही सट्टे का कारोबार संचालित कर रहे हैं, इनके ग्राहक एक का 90 के फेर में पड़े हुए है और हरी और बंदन के सट्टे के शिकार होते जा रहे हैं इनके ग्राहक ऑटो वालो से लेकर स्कूल के बच्चे भी है क्युकी इन दोनों की दुकान इंदिरा

चौक पर हैं जहा शहर का मुख्य स्कूल हायर सेकेण्डरी स्कूल स्तिथ है और ये बच्चे समोसा इडली खाने इनकी दुकान जाते है और सट्टे का शिकार बन जाते है , इनके सट्टे का कारोबार उधार एवं नगद दोनो पर चलता है जिससे इनके कर्जदारों की लिस्ट लंबी है , इनके इस सट्टे के कारोबार के शिकार स्कूल के बच्चे कहीं इनकी सट्टे की उधारी के चक्कर में कोई गलत कदम न उठा ले ।। इन दोनो सट्टा का कारोबार करने वाले हरी और बंधन पर जल्द से जल्द कार्यवाही होना जरूरी है माननीय पुलिस अधीक्षक महोदय से निवेदन है की हरी केसरवानी अनमोल होटल इंदिरा चौक एवं बंधन दहिया इडली ढेला दोनो पर जल्द से जल्द कार्यवाही कर इनका ये सट्टे का कारोबार बंद कराएं, जिससे स्कूल के बच्चे इस गलत लत के शिकार न हो पाए।।।

पुलिस चौकी फुनगा द्वारा 01 ट्रेक्टर ट्रॉली अवैध रेत खनिज परिवहन करते किया जप्त

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।
मुखबिर से मिली सूचना के मुताबिक 01 ट्रेक्टर ट्रॉली अवैध रेत खनिज कटना नदी धनपुरी से उत्खनन कर परिवहन कर ग्राम धनपुरी फुनगा तरफ आ रहा है । सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर उक्त ट्रेक्टर को रोका गया । मुखबिर के पहचान के आधार पर स्वराज ट्रेक्टर क्र MP 65ZA 7452 के ट्रेक्टर चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम आशाजैन केवट पिता भोले केवट उम्र 20 वर्ष निवासी पडरिया थाना अमलई जिला शहडोल व ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर राजभान पटेल पिता स्व0 हनुमान प्रसाद पटेल उम्र 47 वर्ष निवासी धनपुरी थाना भालूमाड़ा को होना बताया है । ट्रेक्टर में लोड रेता के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना बताया है । ट्रेक्टर ट्राली मे 03 घन मीटर रेता कीमती 5,000/- रू.व ट्रेक्टर ट्रॉली कीमती 600000/- कुल मशरूका 605000/- रू. को गवाहों के समक्ष जस किया गया है । आरोपी के विरूद्ध अप0क्र0 357/24 धारा 303(2),317(5) बीएनएस व 4/21 खान खनिज अधिनियम तथा मोटर व्हिकल एक्ट की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है । अवैध रेत खनिज परिवहन जसी की उक्त कार्यवाही में - चौकी प्रभारी फुनगा उप निरीक्षक सुमित कौशिक, सउनि कोमल अरजरिया, प्र.आर. प्रआर 48 सुजीत सिहं, आर.345 राकेश कनासे, 359 अमन दुबे सै.105 रामकमल तिवारी शामिल रहे ।

देवी मंदिरों में उमड़ रही आस्था की भीड़

महिलाएं गरबों से कर रहीं मां भवानी की आराधना

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, शारदीय नवरात्रि पर्व पर मां आदिशक्ति की आराधना और दर्शन के लिए अलसुबह से लेकर देररात तक भक्तों का तांता शहर के देवी मंदिरों में लग रहा है। साथ ही रात के समय युवती और महिलाओं द्वारा गरबा कर मां की पूजा-अर्चना की जा रही है। उल्लेखनीय है कि शहर में जगह-जगह पर मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं विराजित की गई हैं और इन पंडालों में सुबह से लेकर शाम तक मां के जयकारे गूंजायमान हो रहे हैं। इसीके साथ शहर के विभिन्न मंदिरों में रात के समय मां भवानी को प्रसन्न करने के लिए गरबा किया जा रहा है। साथ ही उपवास कर मन्नत के चलते कई भक्त नौ दिनों तक नंगे पैर रहने का संकल्प भी ले चुके हैं। वहीं नवरात्रि पर्व को लेकर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के द्वारा चुनरी यात्रा भी निकाली जा रही है। इसी क्रम में रविवार को आदर्श नवीन नगर स्थित बिजासन माता मंदिर से चुनरी यात्रा निकाली गई। तो युवतियों गरबा कर रहीं थी। प्रमुख मार्गों से होते हुए चुनरी यात्रा मां राजराजेश्वरी मंदिर पहुंची जहां पूजा-अर्चना कर मां को चुनरी औढ़ाई गई।

पंडालों में गरबा की धूम शारदीय नवरात्रि को लेकर महिलाएं और युवतियां प्रतिदिन अंबे भवानी की गरबा कर आराधना कर रही हैं। इसी तारतम्य में महिला मंडल, हाट मैदान सहित शहर के पंडालों में रात के समय सामूहिक गरबे का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही माता मंदिरों में भी मां का विशेष श्रंगार कर पूजा-अर्चना की जा रही है और यह सिलसिला पूरे नौ दिनों तक जारी रहेगा। पंडालों में विराजित देवी प्रतिमाओं की महाआरती कर मंगलकामनाएं श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है।

मनचलों पर रहेगी शक्ति की नजर पुलिस मुख्यालय द्वारा नवरात्रि पर्व पर महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से सभी जिलों में विशेष व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिसके तारतम्य में शाजापुर पुलिस द्वारा जिले के सभी क्षेत्रों में विशेष व्यवस्था हेतु पूजा स्थलों एवं गरबा स्थलों के आसपास दो पहिया वाहनों से महिला पुलिस का शक्ति बल कुल 32 पेट्रोलिंग पार्टियों को तैयार किया गया है, जो कि अपने क्षेत्र में निरंतर पेट्रोलिंग करेंगी तथा गरबा स्थलों, पूजा स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। साथ ही वहां घूमने वाले मनचलों पर नजर रखेगी। छेड़छाड़ की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

थाना करनपठार के द्वारा बिना नम्बर का नीले रंग कि ACE कम्पन्नी की ट्रेक्टर के द्वारा अवैध रेत परिवहन करते पकडे गये

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।

वरिष्ट अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के निर्देशन पर उप निरी. संजय खलखो थाना प्रभारी थाना करनपठार के मर्ग दर्शन में दिनांक 08/10/2024 की रात्रि में अवैध रेत का परिवहन करते हुये बिना नम्बर का नीले रंग का ACE कम्पन्नी का ट्रेक्टर मय ट्राली के अवैध रूप से चोरी के खनिज रेता परिवहन करते पाये जाने पर थाना करनपठार पुलिस द्वारा उक्त ट्रेक्टर को मय ट्राली के जप्त कर बी. एन. एस. एवं खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है उक्त कार्यवाही में उप निरी.

संजय खलखो, सउनि. मुनीन्द्र गवले, प्रआर. 135 मोहन सिंह धुर्वे, आर. 287 विनोद कुमार, आर. 368 मनोज कुशवाह के द्वारा कडी मेहनत कर कार्यवाही करने में अहम भूमिका रही।

जयचंद और मुगलों की तरह व्यवहार करने वाले नपाध्यक्ष को मारेंगे जूते

वेतन नही मिलने से परेशान सफाई कर्मचारियों ने की नारेबाजी, करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, दशहरा पर्व नजदीक आने को है और अब तक भी वेतन नही मिल पाने की वजह से नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वेतन नही मिलने से आर्थिक संकट का सामना करने को मजबूर सफाई कर्मचारियों ने नगरपालिका पहुंचकर जमकर नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही वेतन दिए जाने की मांग की। बुधवार को सफाई कर्मचारी नगरपालिका पहुंचे और यहां ज्ञापन सौंपकर बताया कि दशहरा पर्व में एक से दो दिनों का समय ही शेष रहा गया है। ऐसे में वेतन नही मिलने की वजह से त्यौहार की मिठास फिकी साबित होने वाली है। सफाई कर्मचारियों ने बताया कि समय पर वेतन नही मिलने की वजह से बैंक में सिबिल खराब हो रही है। साथ ही परिवार का पालन पोषण करने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही वेतन नही दिया गया तो दशहरा और दीपोत्सव पर शहर में सफाई का काम पूरी तरह से

बंद कर दिया जाएगा। हमारा त्यौहार बिगाडने वाले जिम्मेदारों का हम भी त्यौहार बिगाडने से पीछे नही हटेंगे।

महिला होने का फायदा उठा रही सीएमओ बुधवार को नगरपालिका पहुंचे सफाई कर्मचारियों ने वेतन नही मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि नगरपालिका सीएमओ मधु सक्सैना महिला होने का गलत फायदा उठा रही है। यही वजह है कि जब उनसे वेतन दिए जाने की मांग की जाती है तो वह झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देती हैं, लेकिन सीएमओ की यह तानाशाही नही चलेगी और वेतन नही देने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी, जिसके बाद शहर में पसरी गंदगी की जिम्मेदारी नपा प्रशासन की रहेगी।

नपाध्यक्ष को मारेंगे जूते शहर में सफाई व्यवस्था संभालने वाले सफाई कर्मचारियों को नगरपालिका प्रतिमाह वेतन देरी से दे रही है, जिसकी वजह से कर्मचारी परेशान हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि नगरपालिका अध्यक्ष मुगलों की तरह परेशान कर रही हैं, जिस पर उनका साम्राज्य उखाड़ फेकेंगे और नपाध्यक्ष को जूते मारेंगे।

जीशान को राष्ट्रपति ने दिया गोल्ड मैडल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, श्रीवैष्णव विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा शाजापुर के जीशान खान पिता जमील खान को एमसीए में गोल्ड मैडल प्रदान किया। जीशान ने अपने उत्तीर्ण प्रदर्शन से पूरे शाजापुर को गौरवान्वित किया है।

दशहरा पर्व को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में 75 फीट ऊंचे रावण का पुतला हो रहा तैयार

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, बुराई पर अच्छाई की जीत का त्यौहार दशहरा पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा और इसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में चल रही हैं। शहर में विजयादशमी का पर्व आगामी 12 अक्टूबर को परम्परागत रूप से मनाया जाएगा। इस वर्ष स्टेडियम मैदान में 75 फीट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा जिसके पुतले का निर्माण अंतिम चरणों में है। साथ ही दशहरा उत्सव समिति के पदाधिकारी आतिशबाजी सहित अन्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। रावण का पुतला उज्जैन के कलाकारों के द्वारा तैयार किया जा रहा है। कलाकार संजय ने बताया कि इस बार रावण के पुतले को राजस्थानी लूक दिया जा रहा है जो प्रमुख आकर्र्षण का केंद्र रहेगा। वहीं दशहरा उत्सव समिति सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष भी परंपरागत ढंग से शोभायात्रा श्रीकृष्ण व्यायाम शाला से निकाली जाएगी। शोभायात्रा से पहले श्रीकृष्ण व्यायाम शाला में प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों और धार्मिक-सामाजिक संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा बजरंगबलि की महाआरती की जाएगी। महाआरती के बाद शोभा यात्रा स्टेडियम मैदान की ओर रवाना होगी, जहां आतिशबाजी के साथ बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन होगा। शोभा यात्रा में शहर के बैंड, घोड़े, बग्गी और भगवान राम, लक्ष्मण, शंकरजी, हनुमान जी के प्रतीक रूप कलाकर आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। स्टेडियम ग्राउंड पर 75 फीट उंचे रावण का दहन किया जाएगा।

मानव कल्याण मंच की ओर से शिव शिशु मंदिर स्कूल में जरूरतमंद स्कूली छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया

शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं की मदद करना ईश्वरीय कार्य है - आशुतोष गुप्ता

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

देवबंद (सहारनपुर)। मानव कल्याण मंच देवबंद द्वारा शिव शिशु मंदिर स्कूल, रेलवे रोड में नर सेवा नारायण सेवा के अंतर्गत जरूरतमंद स्कूली छात्र-छात्राओं को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आशुतोष गुप्ता (जिला संयोजक गतिविधि-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चें न सिर्फ हमारा बल्कि देश का भी भविष्य होते हैं वह ही अगली पीढ़ी होते हैं। आज के बच्चें कल का युवा बनेंगे इसीलिए शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र-छात्राओं की मदद करना ईश्वरीय कार्य है और हमें प्रत्येक स्थिति में अपने देश के निर्धन बच्चों की मदद करनी चाहिए। कार्यक्रम में अरूण गुप्ता नगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने अपने संबोधन में कहा कि मंच बधाई का पात्र है कि वह 29 वर्षों से देवबंद नगर में बिना कोई प्रचार किए सेवा कार्य कर रहा है। जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई में मदद करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य अजय वर्मा ने मानव कल्याण मंच के सेवा कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि मंच जाति संप्रदाय से ऊपर उठकर मानव मात्र की सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के ये बच्चे देश को आगे ले जाने वाले बच्चे हैं इसलिए हमें इन सबकी हर संभव मदद करनी चाहिए। मंच के संस्थापक अरुण अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मंच का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है और मंच लगातार प्रत्येक माह सेवा कार्यक्रम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को प्रत्येक स्थिति में समाज के सभी निर्धन व जरूरतमंद लोगों की हर सम्भव सहायता करनी चाहिए। यदि गरीब जरूरतमंद बच्चों की सही समय पर मदद नहीं की गई तो कल ये बच्चे समाज के लिए एक समस्या पैदा कर सकते हैं। इससे बाल श्रम में भी बढ़ोतरी होती है। यह बाद में एक सामाजिक समस्या बन जाती है। जो किसी भी देश के लिए घातक है। मंच के वरिष्ठ सदस्य श्याम चौहान (सभासद प्रतिनिधि) ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि बच्चों का बौद्धिक विकास हो सके। मंच महासचिव सुशील कर्णवाल ने मानव कल्याण मंच के प्रत्येक माह होने वाले कार्यक्रमों के बारे मे विस्तार से बताया। मासिक सेवा कार्यो की कड़ी में आज के इस माह की सेवा कार्य के मुख्य सहयोगी गिरीश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासचिव सुशील कर्णवाल, कोषाध्यक्ष प्रमोद मित्तल, उपाध्यक्ष राजू सैनी, जितेंद्र कश्यप, नरेंद्र बंसल, आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा विधानसभा में भाजपा की हैट्रिक जीत पर देवबंद नगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरित करते हुए जश्न मनाया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

देवबंद (सहारनपुर), हरियाणा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी की हैट्रिक जीत के उपलक्ष में देवबंद नगर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरित करते हुए जश्न मनाया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में लगातार तीसरी चुनावी जीत भाजपा कार्यकर्ताओं और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो संकल्प लिया है उसकी जीत है। यह जीत हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जीत के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण की जीत है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार आती रही है वहां स्थिरता का शासन रहा है और निरंतर जनहित में कार्य किए जाते रहे हैं। इसी का परिणाम है कि जनता जनार्दन भाजपा सरकार पर विश्वास जताती रही है। इस अवसर पर नगर महामंत्री राजेश अनेजा, राममोहन सैनी, नगर उपाध्यक्ष विकास त्यागी, श्याम सिंह सैनी, अजय गर्ग, राकेश सैनी, विधुकांत शर्मा, सीटू सैनी, अंकित कोरी, राकेश मित्तल, मोहम्मद सिराज, सुनील धीमान, हरि किशन मल्होत्रा, गौतम वर्मा आदि उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस जिला स्तरीय परेड शिविर चयन प्रकिया का हुआ आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, बीकेएसएन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शाजापुर में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के पूर्व, गणतंत्र दिवस चयन परेड शिविर की जिला स्तरीय चयन प्रक्रिया का आयोजन बुधवार को किया गया, जिसमें जिला शाजापुर एवं आगर-मालवा के रासेयो स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। चयन प्रक्रिया की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बीएस विभूति ने की। इस दौरान उन्होने प्रतिभागियों से ड्रिल परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं साक्षात्कार से संबंधित प्रश्न पूछे। वहीं परेड विशेषज्ञ एनसीसी प्रभारी डॉ वीपी मीणा, सांस्कृतिक विशेषज्ञ डॉ अनिता यादव, स्वयंसेवक कौर टीम में रवि कुमार, हर्षिता पाटीदार, पिंकी मेवाड़ा शामिल रहे। चयन प्रक्रिया के समन्वयककर्ता जिला संगठक अधिकारी प्रो दुष्यंत कुमार यादव ने बताया कि परेड, सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं सामुदायिक कार्यों में श्रेष्ठ स्वयंसेवकों को विश्वविद्यालय स्तर की चयन प्रक्रिया के लिए भेजा जाएगा। परेड अवसर पर विकास गिरी, लक्ष्मी पुष्पद, आशीष परमार, शिवम् परिहार, सूरज राय, पवन पुरी उपस्थित रहे।

डीएम ने आगामी त्यौहारों को लेकर शांति समिति एवं कानून व्यवस्था की बैठक की

साफ-सफाई, विद्युत, पेयजल की व्यवस्था दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल की अध्यक्षता में देवबन्द तहसील सभागार में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समिति एवं कानून व्यवस्था की बैठक की गयी। बैठक में डीएम मनीष बंसल ने अपील करते हुए कहा कि हम सभी को हर-हालत में कानून का पालन कर शांति व्यवस्था बनाए रखना है। उन्होंने नगर पालिका को पानी की बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि मंदिरों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रखी जाए। सुनिश्चित किया जाए कि कही पर भी गंदगी न मिले। विद्युत विभाग निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ यह भी सुनिश्चित कराए कि कहीं पर बिजली के तार ज्यादा नीचे न लटके हों जिससे अनहोनी होने की आशंका हो। खाद्य विभाग की टीम सुनिश्चित कराए कि कहीं पर अधोमानक एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न हो। रावण दहन के समय अग्निशमन विभाग पूर्ण रूप से चौकन्ना रहे।

डीएम मनीष बंसल ने कहा कि त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सभी संभ्रांत जनों का सहयोग अपेक्षित रहेगा। समाज के संभ्रान्त नागरिकों ने जिला प्रशासन को आश्वस्त कराया कि त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने में सभी का पूर्ण सहयोग रहेगा। बैठक में उपजिलाधिकारी देवबन्द अंकुर वर्मा सहित समाज के संभ्रान्त नागरिक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हरियाणा की जीत पार्टी की नीतियों की जीत - गजराज सिंह राणा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर। देवबंद, हरियाणा में भाजपा की जीत पर वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व नगर अध्यक्ष गजराज सिंह राणा व पूर्व नगर महामंत्री बिजेंद्र गुप्ता ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की जीत पार्टी की नीतियों की जीत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव में भाजपा की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों की जीत है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अधिकांशत- लोगों को विश्वास था कि भाजपा अपने विकास और सुशासन के बल पर जनता के दिल पर राज करेगी। भाजपा का नारा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास भी कारगर सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ जिम्मेदार चैनलों ने अपने पूर्व अनुमान में भाजपा की हार का समाचार दिया था जो निराधार साबित हुआ है। गजराज सिंह राणा व बिजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आगामी उत्तर प्रदेश उपचुनाव में भी भाजपा सभी सीटों पर विजयी होगी। इस अवसर पर गजराज सिंह राणा के आवास पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता पूर्व नगर महामंत्री, दीपक त्यागी पूर्व सभासद, डॉक्टर विकास राणा, सचिन शर्मा पूर्व नगर मंत्री, सत्यम राणा, अमन रस्तौगी, अभी गुप्ता, योगराज सिंह राणा, बॉबी मिस्त्री, विकास गोयल आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर जनपद के 1500 परिषदीय विद्यार्थियों को स्कूल बैग विद डेस्क का किया गया वितरण

बच्चें ही देश के भावी कर्णधार, शिक्षित बच्चों से ही होगा विकसित भारत का निर्माण, सरकार शिक्षा के प्रति बेहद संवेदनशील

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, राज्यसभा सांसद डॉ0 लक्ष्मीकांत बाजपेयी के असाधारण प्रयासों एवं भारत सरकार की नवरत्न कंपनी कोल इण्डिया और यूनिसेड के सहयोग से जनपद के परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 02 व 03 में अध्ययनरत 1500 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग विद डेस्क का वितरण किया गया। जनपद स्तर पर विकास भवन सभागार में कार्यक्रम आयोजित कर जिलाध्यक्ष डॉ0 महेन्द्र सैनी, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुश्री कोमल द्वारा बच्चों को स्कूल बैग विद डेस्क वितरित किए गये। मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें आगे बढने के लिए प्रेरित करने में मदद मिलती है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुसार मेहनत एवं लगन से पढाएं। बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करेंगे तो ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि जनपद को नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए हर व्यक्ति अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करे। जिलाध्यक्ष महेन्द्र सैनी ने राज्यसभा सांसद डॉ0 लक्ष्मीकांत बाजपेयी जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे है। उन्होंने

कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए वर्तमान पीढी का शिक्षित होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है कि गरीब से गरीब बच्चे भी बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरू बनना एक सौभाग्य की बात है। बच्चें ही देश के भावी कर्णधार है इसलिए अपना कर्तव्य निभाते हुए शिक्षा के साथ बच्चों की रूचि के अनुसार उनकी प्रतिभा को निखारें। बच्चों को खेल एवं आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान भी दें। शिक्षा में कमजोर बच्चों को चिन्हित करते हुए उन पर विशेष ध्यान दिया जाए।महानगर अध्यक्ष पुनीत त्यागी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पता चलता है कि सरकार शिक्षा के प्रति कितनी संवेदनशील है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों से कहा कि मन लगाकर मेहनत से पढाई करें और अपने माता-पिता के साथ ही अपने जनपद का नाम भी रोशन करें।कार्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय शिवदासपुर, बहादरपुर, रामपुर मनिहारान द्वितीय, लंढोरी, जमालपुर, चाटका, मनोहरपुर, उनाली, नगला खारी, सांवलपुर नवादा, पठानपुरा मल्हीपुर, पाड़ली खुशहालपुर, सडक दूधली, कृष्णी बलियाखेडी, मढ पुंवारका, नल्हेडा गुर्जर प्रथम छात्र अनुष्का, आरूषि, आतिशा, सूफिया, राशी, आयुषी, लीजा, हुमेरा, यश, वरूण, हर्ष सहित अन्य बच्चों को स्कूल बैग विद डेस्क का वितरण किया गया।

हरियाणा हैट्रिक पर भाजपा ने मनाया विधायक शर्मा के निवास पर जश्न...

कन्नौद -- हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हैट्रिक जीत के पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न विधायक पंडित आशीष शर्मा के निवास नगर परिषद चौराहे पर मनाया गय।एक-दूसरे को मिठाईयां और खासतौर से जलेबी खिलाकर एक-दूसरे को बधाईयां दी। वहीं आतिशबाजी चलाने के साथ कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर डांस किया। हरियाणा हैट्रिक जीत पर भाजपा नगर अध्यक्ष राजकुमार वर्मा ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि निश्चित रूप से भाजपा की सरकार ने जो 10 साल में काम किया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यपद्धति के कारण ही हम तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रहे है। इसके साथ यह हरियाणा की जनता की समझदारी का नतीजा है। जनता अब समझ चुकी है कि कांग्रेस सिर्फ जुमलेबाजी करती है। भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जो धरातल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की

जीत यह सुनिश्चित करती है कि हमारी रीति-नीति से जनता खुश है। कांग्रेस ने जनता को कई तरह से बरगलाने का प्रयास किया। लेकिन जनता मोदी जी के नेतृत्व को पसंद कर रही है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अनोखी चौहान, नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप धुत, पूर्व नगर परिषद दीपक अग्रवाल, पूर्व पार्षद गोलू मालवीय, हुकम पटेल हरीश शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्रि पर संधारा में पैदल यात्रियों के लिए सर्वसुविधा युक्त भंडारे का हुवा

ग्राम संधारा में शारदीय नवरात्रि की छठ ,सप्तमी,और अष्टमी पर मां दूधाखेड़ी के दर्शन करने वाले पैदल यात्रियों के लिए दीपक टेंट हाउस संधारा ने किया विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमे ग्रामवासियों का भी भरपूर सहयोग मिला दीपक टेंट हाउस के मालिक दीपक नागर ,त्रिलोक नागर ने बताया की मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के दूधाखेड़ी गांव में माता पंचमुखी रूप में विराजित है और यह अति प्राचीन मंदिर है ।मातारानी के दरबार में दोनो नवरात्रि के उपलक्ष्य में हर साल मेले का आयोजन प्रशासन के सहयोग से होता है जिसमे क्षेत्र और देश भर से मातारानी के दर्शन के लिए यात्री आते है और मातारानी के दर्शन कर आरोग्यता का वरदान पाते है और यहां लकवे के मरीज आते है और अपने पैरो पर चल कर जाते है । भंडारे में रामगंजमंडी , खैराबाद, मोड़क, सुकेत, दाबादेह , उंडवा कलाकोट, संधारा और राजस्थान के कोटा ,झालावाड़, बूंदी बारां जिले से भी यात्री दर्शनों का लाभ पाते है यात्री हर नवरात्रा में आरोग्य धाम माता दूधाखेड़ी के दर्शनों के लिए पैदल यात्रा करते है जिनकी सेवा के लिए हरवर्ष ग्राम वासियों के सहयोग से भंडारे की व्यवस्था की जाती है जिससे यात्रियों को मातारानी के धाम दूधाखेड़ी पहुंचने में कोई कठिनाई न हो और यात्रियों के लिए चाय पानी अल्पाहार व विश्राम की व्यवस्था हमारी और से छोटी सी सेवा की जाती है जिसमे ग्रामवासियों का भरपूर सहयोग मिलता है।

राधावल्लभ मार्केट मे बैग मे मिले बम को किया डिफ़्यूज़ मॉक ड्रिल कर परखी सुरक्षा

खरगोन जिला खरगोन मे आमजन की सुरक्षा व आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना के द्वारा बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड एवं डॉग स्क्वायड के दस्ते को सघन सर्चिंग अभियान चालकर सार्वजनिक व संवेदनशील स्थानों एवं संदिग्ध वाहनों पर एंटी सेबोटाज़ चैकिंग कराई जाने हेतु निर्देशित किया गया था । इस दौरान आगामी त्योहारों मे बाजारों मे आम जन की चहल पहल बढ़ जाने से जिले खरगोन की बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड एवं डॉग स्क्वायड के दस्ते के द्वारा मॉक ड्रिल कर अभ्यास किया गया । मॉक ड्रिल के दौरान दिनांक 09.10.24 को सुबह लगभग 10:30 बजे अचानक खरगोन शहर के राधा वल्लभ मार्केट मे फव्वारा चौक के पास एसबीआई एटीएम मे बम रखे होने की सुचना प्राप्त होने पर खरगोन पुलिस अलर्ट मोड मे आ गई, आम जनता मे भय का माहौल छा गया, तुरंत ही खरगोन पुलिस के बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड एवं डॉग स्क्वायड का दस्ता मौक़े पर पहुंचाया गया । आमजन को एटीएम के आसपास से हटा कर दूर किया वाहनों के आवाजही को रोकने के लिए ट्रैफिक थाना प्रभारी निरीक्षक श्री रमेश सोलंकी मय ट्रैफिक थाने के बल के साथ मौक़े पर पहुचे एवं थाना प्रभारी कोतवाली खरगोन श्री बीएल मंडलोई अपने साथ पुलिस मोटरसाइकल पार्टी -चिता 3 मे पदस्थ आर. पवन एवं नवीन को तत्काल मौक़े पर पहुंचे और ट्रैफ़िक की आवाजाहीं को रोका । आमजन के दूर हो जाने के बाद डॉग हैंडलर मोहन दास ने डॉग माईला से संदिग्ध बेग को सूंघ कर बेग मे विस्फोटक सामग्री होने की पुष्टि की व उसके पश्चात बीडीडीएस टीम ने कार्यवाही करते हुए बम टेक्निशियन ने बम सूट पहन कर उपकरणों जैसे एनएलजेडी, डीएसएमडी , ईवीडी,आरटीवीएस,से संदिग्ध बेग को चेक किया एक्स रे लेने पर बेग मे बम होना सही पाया, बम टेक्निशियन ने एक्सटेंशन रोड से संदिग्ध बेग को सावधानी पूर्वक बीडीडीएस वाहन मे लगे बम ट्रॉली मे रखा एवं मिले बम को डिफ़्यूज़ कर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, तब जाकर सभी की जान मे जान आई ।उक्त की गई कार्यवाही मे बीडीडीएस प्रभारी श्री निरीक्षक संजय मोरी ने बताया की पुलिस मुख्यालय भोपाल, के आदेश के तहत यह एक मॉक ड्रिल का हिस्सा था, जिसे पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीणा के आदेशानुसार बीडीडीएस टीम प्रभारी निरीक्षक संजय मोरी नेतृत्व मे बीडीडीएस टीम से आर. रामनरेश सिकरवार, ब्रजेश यादव, गिरजा सागर बरुआ, शिवराज गुर्जर, राहुल चौधरी, सुरेश यादव, आर. डॉग मास्टर मोहन दास ,डॉग माईला, एवं वाहन चालक प्र.आर. अफजल हुसैन के द्वारा की गई ।

विधायक ने किया नवलपुरा में सामुदायिक भवन का भूमि पूजन

मण्डलेश्वर (निप्र) ग्राम पंचायत लाड़वी के नवलपुरा केवट मोहल्ले में आज विधानसभा महेश्वर के विधायक राजकुमार मेव ने सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया । विधायक मेव ने कहा कि भाजपा की सरकार संकल्पित है। अपने परिवार की बेहतर सुविधा ही भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य है। में ग्राम पंचायत लाड़वी के विकास में कोई कमी नही रहने दूंगा ग्राम पंचायत में शुद्ध पेयजल नल जल योजना व हर गरीब परिवार को आवास योजना का लाभ मिले गांव की हर सड़क गली मोहल्ले के रास्ते पक्के हो नालियां बने और हमारा गांव मोहल्ला स्वच्छ हो ऐसी हमारे देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की भी ईक्षा है। में सौभाग्यशाली हु की मुझे यह सार्वजनिक सामुदायिक भवन का भूमि पूजन करने का शौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत लाड़वी के सरपंच रतन रंधावा , करही मण्डल अध्यक्ष जितेंद्रसिंह गोड़ , भाजपा नेता संतोष ठाकुर भाजपा के जेष्ठ एवं श्रेष्ठ कार्यकताओ सहित नवलपुरा के परिवारजन उपस्थित रहे।।

हिस्ट्रीशीटर रहे, कांग्रेस पूर्व पार्षद गुड्डू कलीम को मारी गोली

गुड्डू कलीम के खिलाफ दो दर्जन अपराधिक रिकॉर्ड पुलिस स्टेशन में दर्ज

उज्जैन - गुरुवार अल सुबह लगभग 6:00 बजे गुड्डू कलीम अपने दो मित्रों के साथ हरी फाटक रोड वजीर पार्क कॉलोनी से मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी उन पर जंतर मंतर की ओर से आए तेज रफ्तार कार में सवार तीन बदमाशों ने फायर कर दिया, एक गोली गुड्डू कलीम के हाथ में लगी मौके से नकाबजन बदमाश महामृत्युंजय द्वार तपोभूमि से होते हुए इंदौर की ओर भागने में सफल रहे, सीसीटीवी के अनुसार बदमाश इंदौर की ओर भागते नजर आए, वास्तविकता में यदि पुलिस डायरी में गुड्डू कलीम के अपराध देखें पता चला हिस्ट्रीशीटर पूर्व कांग्रेस पार्षद निकला, 9 जनवरी 2012 में गुड्डू कलीम ने अपने 7 साथीयो के साथ मिलकर गोल्डन पेट्रोल पंप के मालिक मोहम्मद अनवर खान और उनके बेटे इमरान खान पर प्राण घातक हमला कर दिया था, पुलिस ने इस मामले में बलवा का प्रकरण दर्ज किया था ,पिछले वर्ष प्रशासन ने हरी फाटक ब्रिज के पास जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा था मुक्त करवा कर शासन ने अपने कब्जे में जमीन को लिया,उज्जैन पुलिस सिंघम का कहना है पूर्व पार्षद गुड्डू कलीम पर फायर करने वाले कुछ बदमाश ट्रेस हुए हैं, बहुत जल्दी उज्जैन पुलिस की गिरफ्त में होंगे

रामलीला में राम सुग्रीव की मित्रता और बाली वध की लीला का मंचन

साधु का वेश बना सीता को हर ले गया रावण

पन्ना श्रीराम मन्दिर देवेंद्रनगर के रंगमंच पर मैहर से आई हुई रामलीला मंडली द्वारा आकर्षक वाद्य यंत्रों गाजे बाजे आकर्षक कलाओं के साथ गत रात्रि सीता हरण,जटायु मिलन,माता शबरी,राम हनुमान मिलन,राम सुग्रीव मित्रता व बाली वध की लीला का बड़े ही सुंदर अंदाज में कला का प्रदर्शन किया गया। मंच पर द्रश्य में शूर्पणखा ने राम से विवाह का प्रस्ताव, लक्ष्मण द्वारा नाक काटना,मारीच वध, खरदूषण वध व पंचवटी से सीता हरण, रावण जटायु के युद्ध की लीला का मंचन किया गया। मंच पर चले दृश्य में पंचवटी पर शुर्णपंखा ने राम से विवाह का प्रस्ताव रखा वह रिझाने के लिए मनमोहक नृत्य कर दर्शकों को हंसा हंसाकर लोटपोट कर दिया। दृश्य में रावण के कहने पर मरीज सोने के मृग का रूप बनाकर पंचवटी पर आकर सीता को लालायित करता है और सीता राम को मृगछाला लाकर देने को कहती है। मंच पर सीता लक्ष्मण के संवाद को दर्शकों ने खूब सराहा। दोनों कलाकारों ने अपने संवाद से खूब तालियां बटोरी। मंच में सीता और लक्ष्मण के संवाद,पंचवटी पर सीता को न पाकर उसके विरह में गाया गीत को दर्शकों ने खूब सराहा। तत्पश्चात भगवान श्रीराम माता सीता की खोज लगाते हुए जटायु से,माता शबरी से मिलकर सीता का पता लगाते है,वहां से होते हुए पंपापुर में राम सुग्रीम के साथ अग्नि को साक्षी मानकर अपनी मित्रता की प्रतिज्ञा लेते है इस तरह दोनों की भी घनिष्ठ मित्रता स्थापित हो जाती है। जब राम ने सुग्रीव से पहाड़ों की गुफा में रहने का कारण पूछा तो सुग्रीव ने बताया कि मेरे बड़े भाई बाली ने मेरा राज्य और पत्नी सब छीन ली है उसके भय में मारा मारा फिर रहा हूं तब राम ने सच्ची मित्रता को उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सुग्रीव के दुख दूर करने और किष्किंधा को वापस लाने का प्रण लेते हैं। राम जी सुग्रीव के साथ मिलकर बाली को मारते हैं और इस तरह सुग्रीव को उनके राज्य और उनकी पत्नी वापस मिल जाती है। तब सुग्रीव अपनी वानर सेना को चारों दिशाओं में भेजते हैं सुग्रीव की वानर सेना चारों दिशाओं में फेल कर सीता माता की खोज करने के लिए देश के कोने-कोने में फैल जाते हैं और माता सीता की खोज करते हैं। आज की लीला में लंका दहन और विभीषण शरणागति की लीला की जाएगी।

हनुमान गढ़ी की महारानी के दरबार में भव्य महाआरती महाभोग एवं कन्याभोज का आयोजन...

बैरसिया--नवरात्रि के पावन पर्व के चलते देश भर में मां भगवती की भक्ति में भक्त डूबे हुए हैं। वहीं जगह-जगह सुंदर-सुंदर पंडालों में मां भगवती की प्रतिमा विराजमान है जिनके दर्शन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं क्षेत्र के नजीराबाद में श्री हनुमान गढ़ी दुर्गा उत्सव समिति द्वारा हनुमान गढ़ी पर भव्य और सुंदर पंडाल में विराजमान मां भगवती के दर्शन को रोजाना हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है आपको बता दें कि इस सुंदर झांकी की एक विशेषता यह है कि यहां समिति के द्वारा प्रतिदिन मां भगवती के श्रृंगार को बदला जाता है और प्रतिदिन मां भगवती अलग-अलग पोशाक में दिखाई देती हैं ।वहीं बुधवार को मां के दरबार में सुबह से ही कन्या भोज का आयोजन शुरू हो गया जो निरंतर तीन दिवस तक चलेगा वहीं रात्रि में ढोल नगाड़ों ताशों के साथ मां भगवती की महाआरती की गई एवं बंगाली खीर का महाभोग लगाया गया जिसमें नजीराबाद थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर , नगर के समाजसेवी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों की संख्या में माता के भक्त उपस्थित रहे।

नवरात्रि पर नगर में निकाली 251 मीटर लंबी चुनरी यात्रा, 56 भोग का प्रसाद भी

चुनरी यात्रा का जगह जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया

मुंदी

मूंदी नगर में नवरात्रि पर्व पर सप्तमी के दिन माँ नर्मदा गणगौर सेवा समिति द्वारा बेंड बाजे के साथ विशाल चुनरी यात्रा नर्मदा मंदिर किसान मोहल्ले से निकाली गई। चुनरी यात्रा में बड़ी संख्या में पुरुष बच्चें माता बहने शामिल हुई। मुख्य मार्गों से होते हुए यात्रा माता मंदिर पहुँची। यात्रा के दौरान बालिकाओं ने डांस भी किया। रास्ते भर युवा फटाके फोड़ते भी नजर आए। सुभाष चौक पर मालवीय परिवार ने और माता मंदिर पास नवदुर्गा मंदिर समिति ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यहाँ भक्तों ने दुर्गा माता मंदिर में माता रानी की पूजा अर्चना कर चुनरी अर्पित की माँ नर्मदा गणगौर सेवा समिति द्वारा बताया गया कि चुनरी यात्रा का यह प्रथम वर्ष है। । माता रानी को 251 मीटर लंबी चुनरी अर्पित कर 56 का प्रसाद भी चढ़ाया गया। साथ ही नगर सहित देश मे खुशहाली बनी रहे।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के बाद अब अन्य राज्यों की चिंता

चुनाव से पहले मोदी ने महाराष्ट्र को दी 7600 करोड़ की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये महाराष्ट्र को 7600 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी ने नागपुर में करीब 7000 करोड़ की अनुमानित परियोजना लागत वाले डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उन्नयन की आधारशिला रखी। इससे विनिर्माण, विमानन, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स और स्वास्थ्य सेवा सहित कई क्षेत्रों में विकास के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। इससे नागपुर शहर और विदर्भ क्षेत्र को फायदा होगा। दरअसल, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यहां 288 सदस्यीय विधानसभा है। सत्ता में भाजपा, शिवसेना और राकांपा का गठबंधन है और विपक्ष में कांग्रेस, राकांपा (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) का गठबंधन है। बीते दिन ही हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावी परिणाम घोषित हुए हैं। हरियाणा में भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की है। ऐसे में भाजपा अपने बढ़े हुए मनोबल के साथ महाराष्ट्र के चुनावों में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

शिरडी हवाई अड्डे पर नया टर्मिनल भवन

प्रधानमंत्री ने शिरडी हवाई अड्डे पर 645 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला भी रखी। इससे शिरडी की यात्रा करने वाले धार्मिक पर्यटकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पीएम मोदी ने मुंबई, नासिक, जालना, अमरावती, गढ़चिरौली, बुलढाणा, वाशिम, भंडारा, हिंगोली और अंबरनाथ (ठाणे) में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संचालन की शुरूआत की। इससे सभी के लिए सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल सुविधा सुनिश्चित हो सकेगी। स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों को बढ़ाने के साथ ही ये मेडिकल कॉलेज लोगों को विशेष स्वास्थ्य देखभाल सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

भारतीय कौशल संस्थान का उद्घाटन

पीएम मोदी ने मुंबई में भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) का उद्घाटन भी किया। इसका मकसद अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ एक उद्योग कार्यबल बनाना है। भारत को विश्व की कौशल राजधानी के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण के तहत भाजपा नीत एनडीए सरकार आईआईएस के जरिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करेगी।

विद्या समीक्षा केंद्र का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) का भी उद्घाटन किया। इससे छात्रों, शिक्षकों और प्रशासकों की स्मार्ट उपस्थिति, स्वाध्याय जैसे लाइव चैटबॉट के जरिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक और प्रशासनिक डेटा तक पहुंच आसान होगी। यह स्कूलों को संसाधनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, अभिभावकों और राज्य के बीच संबंधों को मजबूत करने और उत्तरदायी समर्थन प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।

5 अक्टूबर को भी दी थी करोड़ों की सौगात

इससे पहले शनिवार को पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। उन्होंने लगभग 9.4 करोड़ किसानों के खाते में 20,000 करोड़ रुपये की पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त भी जारी की थी। उन्होंने ठाणे में 32,800 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया था।

कोलकाता हवाई अड्डे पर पहली बार उतरा 207 फीट लंबा बेलुगा एक्सएल विमान

कोलकाता। कोलकाता हवाई अड्डे पर पहली बार एयरबस बेलुगा श्रृंखला के सबसे बड़े विमान 'बेलुगा एक्सएल' का स्वागत किया गया। यह विमान एयरबस बेलुगा एसटी का उन्नत संस्करण है। बेलुगा एक्सएल विमान की कुल लंबाई 207 फीट, ऊंचाई 62 फीट और पंखों का फैलाव 197 फीट और 10 इंच है। यह एयरबस का एक बड़े आकार का परिवहन विमान है, जिसे खासतौर पर विमान के पुर्जे जैसे बड़े सामान ले जाने के लिए बनाया गया है। एयरबस की वेबसाइट के मुताबिक, बेलुगा एक्सएल विमान ने 2018 में अपनी पहली उड़ान भरी और नवंबर 2019 में यूरोपीय संघ की ईएएस एजेंसी से इसे टाइप सर्टिफिकेशन मिला। इसका मतलब है कि यह विमान सभी सुरक्षा मानकों पर खतरा उतरा। इसके बाद, जनवरी 2020 में बेलुगा एक्सएल सेवा में आया। विमान में तीन पायलट और एक इंजीनियर हैं। यह विमान कोलकाता में चालक दल को आराम देने और ईंधन भरने के लिए रुका, क्योंकि यह पूर्वी भारत का एकमात्र हवाई अड्डा है जो इस

विमान की संचालन संबंधी सुविधाओं से सुसज्जित है।

पानी की बौछारों से सलामी देकर किया गया स्वागत

बेलुगा एक्सएल विमान का न केवल आकार बड़ा है, बल्कि इसकी उच्च तकनीकी गुणवत्ता भी है। कोलकाता के एनएससीबीआई हवाई अड्डे पर बेलुगा एसटी श्रृंखला के विमान उतर चुके हैं। लेकिन यह पहली बार है जब बेलुगा एक्स विमान उतरा है। यह विमान मंगलवार रात 10.43 बजे बहरीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा। इसे जल सलामी देकर स्वागत किया गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि पानी की बौछारों से उसका स्वागत किया गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि इससे पहले भी कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'एसटी' श्रृंखला के विमानों को उतारा गया था लेकिन मंगलवार रात पहली बार कोलकाता हवाई अड्डे पर 'एक्सएल' श्रृंखला के विमान को उतारा गया।

पूर्वी भारत में ऐसे विमानों के लिए एकमात्र हवाई अड्डा

कोलकाता हवाई अड्डे की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, पहली बार कोलकाता के एनएससीबीआई हवाई अड्डे ने एयरबस बेलुगा एक्स का स्वागत किया, जो अपनी श्रृंखला का सबसे बड़ा विमान है और विमान के आवश्यक पुर्जों को ले जा रहा है। यह उड़ान चालक दल के सदस्यों के विश्राम, उड़ान ड्यूटी समय की सीमाओं (एफडीआईएल) और ईंधन भरने के लिए कोलकाता में रुकी है, क्योंकि यह पूर्वी भारत में इस प्रकार के विमान को संभालने वाला एकमात्र हवाई अड्डा है।

उपकरण और पुर्जे चीन ले जा रहा विमान

यह विमान एयरबस फैक्टरी से उड़ान भरकर कुछ उपकरण और पुर्जे चीन के तियानजिन स्थित एक अन्य इकाई में ले जा रहा है। इस उड़ान में तीन पायलट और एक इंजीनियर शामिल हैं। बेलुगा एक्सएल (एयरबस ए330-743एल) एक बड़ा परिवहन विमान है, जिसे एयरबस ने बड़े आकार का सामना, खासकर पंख और फ्यूजलेज जैसे विमान के पुर्जे ले जाने के लिए डिजाइन किया है। इस विमाान ने बुधवार शाम को ईंधन भरा और 5.50 बजे प्रस्थान किया। उड़ान भरने से पहले इसे कोलकाता हवाई अड्डे पर जे1बे में खड़ा किया गया था।

15 दिन में ही घुटनों पर आया हिजबुल्लाह, युद्धविराम की अपील

तेल अवीव/ लेबनान। गाजा में एक साल से चल रहे भीषण रक्तपात के बावजूद जहां हमास आतंकियों ने सबकुछ गंवाने के बाद भी हार नहीं मानी, इजरायल ने महज 15 दिनों में ही हिजबुल्लाह को घुटनों पर ला दिया है। हिजबुल्लाह के उपनेता नईम कासिम ने इजरायल से युद्धविराम की अपील की है। हिजबुल्लाह इजरायल के सामने गाजा की शर्त भी छोड़ने के लिए राजी है। इजरायली सेना ने कुछ ही दिनों में हिजबुल्लाह के कई टॉप लीडर्स का खात्मा कर दिया है। हसन नसरल्लाह के बाद उसके उत्तराधिकारी सफीइद्दीन को भी मार डाला है।

इसके अलावा हथियारों का जखीरा, सैकड़ों कमांडरों और आतंकियों का भी खात्मा हो चुका है। इजरायल ने साउथ लेबनान में भी काफी बढ़त हासिल कर ली है। जमीनी लड़ाई के दौरान इजरायली सेना ने कई इलाकों पर अपना कब्जा भी कर लिया है। इजरायल द्वारा लेबनान-इजराइली सीमा पर जमीनी सेना भेजकर और बेरूत और अन्य जगहों पर हवाई हमले जारी रखने के बीच हिजबुल्लाह

अब लेबनान में युद्धविराम के लिए राजी हो गया है। हिजबुल्लाह ने युद्धविराम के लिए गाजा में संघर्ष विराम की शर्त भी छोड़ दी है। हिजबुल्लाह के उप नेता नईम कासिम ने कहा, हम युद्धविराम हासिल के लिए किए जा रहे राजनीतिक प्रयासों का समर्थन करते हैं। एक बार जब युद्धविराम मजबूती से स्थापित हो जाए तो कूटनीति के जरिए अन्य बातों पर भी सहमति पूरी कर ली जाएगी। इस वक्त हमारे लिए लेबनान वासियों की जान से ज्यादा बढ़कर कुछ नहीं है। कासिम ने अपने टेलीविजन भाषण में यह बात कही। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने बुधवार को इजरायली टेलीविजन चैनल 12 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और अरब राज्यों ने मध्य पूर्व में चल रहे तमाम युद्ध को रोकने के लिए ईरान के साथ गुप्त वार्ता शुरू कर दी है। 'एक्सियोस' ने तीन अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार सुबह इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर भी बात की। बाइडेन और नेतन्याहू के बीच ईरान से चल रहे संघर्ष को लेकर भी चर्चा की गई। समाचार आउटलेट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा कि बाइडेन और नेतन्याहू ने लेबनान और गाजा में युद्ध पर भी चर्चा की है।

गरीबों को दिसंबर 2028 तक दिया जाएगा मुफ्त फोर्टिफाइड चावल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बुधवार को कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2028 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इससे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी कम हो जाएगी, कुल वित्तीय प्रभाव 17,082 करोड़ रुपये होगा और

100% वित्त पोषण केंद्र सरकार की तरफ से किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है कि गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित किया जाएगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है। जानकारी के मुताबिक ये परियोजना दो चरणों में पूरी की जाएगी। इस परियोजना से 15,000 प्रत्यक्ष रोजगार और 7,000 अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन होगा। वहीं केंद्रीय कैबिनेट की तीसरे मुख्य फैसले के बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। आज कैबिनेट ने राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में 4,406 करोड़ रुपये के निवेश से 2,280 किलोमीटर सड़क नेटवर्क के निर्माण को मंजूरी दी है। यह कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका पर बड़ा प्रभाव डालेगा।

शराब-मांस का सेवन करने वाले पुलिसवालों की महाकुंभ में ड्यूटी नहीं

लखनऊ। प्रयागराज महाकुंभ में शराब पीने वाले और मांसाहार का सेवन करने वाले पुलिसकर्मियों की ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी। डीजीपी मुख्यालय ने सभी कमिश्नरेट और रेंज से प्रयागराज भेजे जाने वाले पुलिस बल के संबंध में इसका विशेष ध्यान देने को कहा है। साथ ही कहा है कि, उनकी सत्यनिष्ठा, छवि, आम शोहरत और चाल-चलन अच्छी होनी चाहिए। इसके अलावा पुलिसकर्मियों की आयु सीमा को लेकर भी दिशा-निर्देश दिया है। डीजीपी मुख्यालय में एडीजी स्थापना संजय सिंघल की ओर से जारी पत्र के मुताबिक महाकुंभ भेजे जाने वाले आरक्षियों की उम्र सामान्यतः 40 वर्ष होनी चाहिए। इसी तरह मुख्य आरक्षी 50 वर्ष से अधिक और उपनिरीक्षक एवं निरीक्षक 55 वर्ष से अधिक उम्र के नहीं होने चाहिए। ऐसे किसी भी पुलिसकर्मी को महाकुंभ में ड्यूटी के लिए

नहीं भेजा जाएगा, जो प्रयागराज का मूल निवासी है। साथ ही, वह शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ, चैतन्य और व्यवहार कुशल होना चाहिए। उन्होंने पहले चरण में पुलिसकर्मियों की तैनाती के लिए 10 अक्टूबर, दूसरे चरण के लिए 10 नवंबर और तीसरे चरण के लिए 10 दिसंबर तक नाम भेजने का निर्देश दिया है। इसके अलावा लिपिक संवर्ग और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भी तैनाती के लिए नाम भेजने को कहा है।

कुंभमेला क्षेत्र के साथ 15 पीपीएस अफसर किए संबद्ध

इसके अलावा डीजीपी मुख्यालय ने महाकुंभ के लिए 15 पीपीएस अफसरों को एसपी कुंभमेला क्षेत्र के साथ संबद्ध किया है। जिसमें तीन एएसपी दिनेश कुमार द्विवेदी, विशाल यादव और दुर्गा प्रसाद तिवारी शामिल हैं। इसी तरह 12 डिप्टी एसपी भेजे गए हैं, जिनमें विनोद कुमार, प्रकाश राम आर्य, अभिषेक यादव, हर्ष कुमार शर्मा, राजकुमार सिंह यादव, रंजीत यादव, रजनीश कुमार यादव, महिपाल सिंह, विनोद कुमार दुबे, विजय प्रताप यादव-2, पवन कुमार-2, विजय सिंह यादव शामिल हैं। इन सभी को आगामी 15 अक्तूबर तक प्रयागराज जाने का आदेश दिया गया है।

चीन में घटती आबादी से संकट, महिलाओं पर ज्यादा बच्चों के लिए दबाव

बीजिंग। चीन अपनी जनसंख्या के घटने और आबादी के बूढ़ी होने की वजह से सामाजिक के साथ आर्थिक तौर पर भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। आबादी में असमानता के संकट को टालने के लिए चीन की शी जिनपिंग सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह बच्चे पैदा करने के लिए महिलाओं पर ज्यादा जोर डालने की नीति अपनाई जा सकती है। महिलाओं के लिए बच्चा पैदा करना उनके बेहद निजी फैसलों में से एक है लेकिन लगता है कि इसमें भी चीनी सरकार खुद को शामिल करना चाहती है। फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल बीजिंग में सांसदों की एक राष्ट्रीय बैठक के दौरान ऑल चाइना विमेंस फेडरेशन की

प्रतिनिधि गाओजी ने कहा कि एक महिला के रूप में मुझे लगता है कि मां बनना जरूरी है। अगर आपने इस धरती पर अपना समय बिताया है और किसी को जन्म नहीं दिया है तो यह वास्तव में दुख की बात है। चीनी सरकार ने भी कॉलेजों में विवाह और बच्चे पैदा करने पर पाठ्यक्रम बनाए हैं और कई योजनाएं इस संबंध में चलाई हैं।

महिलाओं को लगता है, सरकार कर रही दखलअंदाजी

चीनी सरकार की बच्चे पैदा करने को बढ़ावा देने की नीतियां इस स्तर पर पहुंच रही हैं कि बहुत सी महिलाएं इसे निजी जिंदगी में दखलंदाजी मान रही हैं। सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने अपनी शिकाय में कहा है स्वास्थ्यकर्मी उनके हालिया मासिक धर्म चक्र (पीरियड्स) की तारीख पूछने के लिए फोन कर रहे हैं।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का कहना है कि बच्चे को जन्म देने को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम है कि महिलाएं हमेशा पार्टी के साथ चलें। दरअसल चीन में चाइल्ड बर्थ रेट दुनिया की सबसे कम प्रजनन दर में से है। ये दर दशार्ती है कि एक महिला अपने जीवन में कितने बच्चे पैदा करती है।

चीन ने वर्षों तक ज्यादा बच्चे पैदा करने पर रखी रोक

चीन में लंबे समय तक वन चाइल पॉलिसी रही है। 1970 के दशक की शुरूआत में चीन ने बहुत कठोर तरीके से एक-बच्चे की नीति लागू की। इस नीति के तहत ना सिर्फ ज्यादा बच्चे पैदा करने पर सजा दी गई बल्कि कुछ महिलाओं को गर्भपात भी कराया गया। बीते कुछ वर्षों में चीन ने ये नीति बदली लेकिन घटी आबादी का संकट बढ़ता जा रहा है। ऐसे में एक बार फिर चीनी सरकार कठोर नियमों की तरफ जाती दिख रही है। कुछ महिलाओं का मानना है कि बच्चे पैदा करने का फैसला व्यक्तिगत होता है, इसमें सरकार की दखल ठीक नहीं है।

क्या हैं लोगों की चिंताएं

चीनी सरकार के रुख पर कुछ शिक्षाविदों, कार्यकर्ताओं और आम महिलाओं को चिंता है कि सरकार उनके लिए उपलब्ध विकल्पों को सीमित करने के लिए और अधिक कठोर कदम उठा सकती है। हाल के कई स्वास्थ्य कार्यक्रमों में केंद्र सरकार ने अनावश्यक गर्भपात रोकने की बात कही है। ये चिंता इस तथ्य से बढ़ जाती हैं कि गर्भपात तक पहुंच को सरकार नियंत्रित कर सकती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569